राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 39
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 08 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 नोएडा में यमुना पुश्ता पर एलिवेटेड रोड की तैयारी

पेज 4 बरखेड़ा में लापता राजमिस्त्री का शव तालाब में मिला

पेज 6 5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन

संक्षिप्त खबरें

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन

पटना। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का निधन हो गया है। उनकी उम्र केवल 49 साल थी। अग्निवेश वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (ञस्क्क) के बोर्ड में शामिल थे। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी दी कि अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हुए थे। उन्हें इलाज के लिए माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें बुधवार को कार्डियक अरेस्ट आया। अनिल अग्रवाल ने बुधवार रात करीब 10 बजे ङ्ग पर पोस्ट कर बेटे के निधन की जानकारी दी। एक भावुक पोस्ट में बेटे के निधन को जीवन का सबसे अंधकारमय दिन बताया।

बॉयफ्रेंड से बात करने से रोकने पर सास की हत्या

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर में एक महिला की मौत के 5 महीने बाद उसकी हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मृतक महिला की बहू और उसके बॉयफ्रेंड पर केस दर्ज कर लिया है। मृतक के बेटे ने बताया कि उसकी मां बहू को बॉयफ्रेंड से बातचीत करने से टोकती थी, जिसके चलते यह साजिश रची गई। पहले बहू ने मौत को लेकर झूठी कहानी रची थी। उसने मौत की वजह चारपाई से गिरना बताया था। तब महिला का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। जिसके बाद शक होने पर एसपी कार्यालय में शिकायत सौंपी।

हैप्पी मॉर्निंग

सोनू अपने दोस्त मिंटू को
ज्ञान बांट रहा था
अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो
तोज्आंखें बंद करो,
गहरी सांस लो और जोर से कहो-
ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है
इसलिए
अगले साल
फिर पढ़ेंगे

शायरी

शहर का तब्दील होना शाद
रहना और उदास
रौनक़ें जितनी यहाँ हैं औरतों के
दम से है

अर्थसार

सेंसेक्स:
84,961.14
-102.20 (0.12%)
निफ्टी:
26,140.75
-37.95

मौसम

अधिकतम	:	13 डिग्री से0
न्यूनतम	:	05 डिग्री से0
सूर्योदय शुक्रवार	:	7 : 20
सूर्यास्त गुरुवार	:	5 : 33

बड़ा फैसला : बिहार में हिजाब पहनकर ज्वेलरी नहीं खरीद सकेंगे

ज्वेलर्स एसोसिएशन का फैसला; आरजेडी बोली- हिजाब निशाना; भाजपा ने कहा- ये इस्लामिक कंट्री नहीं

पटना। यूपी के झांसी के बाद बिहार ज्वेलर्स एसोसिएशन ने बुधवार यानी 7 जनवरी को सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बिहार की सभी ज्वेलरी शॉप में अब हिजाब, नकाब या घूंघट पहनकर आने वालों को सोने-चांदी की दुकानों में एंट्री नहीं दी जाएगी।

इसके साथ ही हेलमेट, मुरेठा पहनकर आने वाले पुरुषों की भी एंट्री बैन की गई है। इसकी कॉपी ज्वेलरी शॉप के बाहर लगाई जा रही है। इस पर

साफ लिखा है कि मास्क, बुर्का, हेलमेट और नकाब पहनकर दुकान में आना मना है।

इस फैसले पर विवाद भी शुरू हो गया है। राजद का कहना है कि सुरक्षा के नाम पर हिजाब और नकाब को निशाना बनाना गलत है। बीजेपी ने राजद को जवाब देते हुए कहा- ये भारत है इस्लामिक कंट्री नहीं। यहां हिजाब का क्या काम है।

ज्वेलर्स बोले- ये फैसला किसी समुदाय के खिलाफ नहीं

सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि यह कदम किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। बीते कुछ समय से बिहार के अलग-अलग जिलों में सर्राफा दुकानों में लूट और चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

कई मामलों में अपराधी पहचान छिपाने के लिए चेहरे ढककर दुकान में घुसते हैं और वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ऐसे में दुकानदारों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्राहकों की जान-माल की रक्षा भी एक बड़ी चुनौती बन गई है।

ऑल इंडिया गोल्ड एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने बताया, %सर्राफा कारोबार हमेशा से अपराधियों के निशाने पर रहा है। हमने यह निर्णय पूरी तरह से सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया है।

आए दिन दुकानों में लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। चेहरे ढके होने के कारण अपराधियों की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

किसान अंदोलन मानहानि केस, बठिंडा कोर्ट से कंगना रनोट को झटका

बठिंडा। फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बठिंडा की एक अदालत ने मानहानि मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कंगना को 15 जनवरी को हर हाल में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। कांगना की ओर से कोर्ट से व्यक्तिगत रूप से पेश न होने के छूट मांगी गई थी।

बेबे महिंदर कौर के वकील रघुबीर सिंह बहनीवाल ने जानकारी दी कि अदालत ने कंगना के वकील द्वारा दायर पेशी से छूट की अर्जी को सिरे से

खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट आदेश जारी किया है कि यदि कंगना रनौत आगामी 15 जनवरी को कोर्ट में उपस्थित नहीं होती हैं, तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा और उनका बेल ऑर्डर (जमानत) भी रद्द कर दिया जाएगा।

जेपी ग्रुप घोटाला : ईडी का बड़ा एक्शन, 400 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

- 25 हजार से अधिक घर खरीदारों से धोखाधड़ी का मामला
- जेपी ग्रुप मालिक मनोज गौड़ पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। जेपी ग्रुप घोटाले से जुड़ी 400 करोड़ रुपये की संपत्ति को ईडी ने जब्त कर लिया है। ईडी के अनुसार जेपी इंफ्राटेक और जयप्रकाश एसोसिएट्स में 25 हजार से अधिक घर खरीददारों के साथ घोखाखड़ी से कमाए गए धन को जयप्रकाश सेवा संस्था और पेज3 बिल्डटेक में छुपाया गया था।

ईडी इस मामले में पहले ही जेपी ग्रुप के मालिक मनोज गौड़ को गिरफ्तार कर चुकी है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में जेल में है। ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जेपी ग्रुप ने खुद एनसीएलटी में स्वीकार किया है कि 25 हजार घर खरीददारों से 14,599 करोड़ रुपये जमा किये थे।

ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में इसमें बड़ी मात्रा में धन के दूसरी कंपनियों में डायवर्ट कर छुपाने के सबूत मिले हैं। इनमें जेपी सेवा संस्था, जेपी हेल्थकेयर, जेपी स्पोट्स इंटरनेशनल प्रमुख हैं।

मनोज गौड़ खुद जेपी सेवा संस्था को मैनेजिंग ट्रस्टी है। घर खरीददारों से मिली रकम को इसमें डायवर्ट किया गया था। इसी तरह से हनी कात्याल की कंपनी पेज3 बिल्डटेक में भी पैसे ट्रांसफर किये जाने के सबूत मिले हैं। इन्हीं सबूतों के आधार पर ईडी ने जेपी सेवा संस्था और पेज3 बिल्डटेक की 400 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।

घर खरीददारों से धोखाधड़ी के आरोप में दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जेपी ग्रुप के खिलाफ कई एफआइआर दर्ज हैं। इसे आधार बनाते हुए ईडी ने पिछले साल जेपी ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी।

अतिक्रमण

नई दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में सैयद फैज इलाही मस्जिद से सटी जमीन पर कथित अतिक्रमणों को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा ध्वस्त किए गया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सड़कों पर कुत्तों की मौजूदगी पर चिंता जताई। कहा कि इलाज से बेहतर है रोकथाम और हमें इस पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है। हमें सड़कों, स्कूलों और संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों की क्या जरूरत है। उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सड़कों को कुत्तों से साफ और खाली होना चाहिए। हो सकता है वे न काटें, लेकिन वे हादसों की वजह बनते हैं।

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन कोल्ड-डे दर्ज

शीतलहर से अभी निजात नहीं; पंजाब-हरियाणा में कोहरा कायम

नई दिल्ली। आइएमडी ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कई हिस्सों में अगले कुछ और दिनों के लिए शीत लहर चलने की भविष्यवाणी की है।

साथ ही कहा है कि आठ से 10 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बने रहने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में भी गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहेगा।

इस बीच, बुधवार को जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह के आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी हुई है।

राष्ट्रीय राजधानी में लगातार दूसरे दिन कोल्ड डे दर्ज किया गया। मैदानी इलाकों में शीतलहर चलने से कड़ाके की सर्दी पड़ी। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

कश्मीर के डोडा जिले में पर्यटक

बड़ी संख्या में भद्रवाह-पठानकोट राजमार्ग पर गुलदंडा (9,555 फीट), पंज नल्लाह (10,200 फीट) और चट्टर्गल्ला (10,500 फीट) पर बर्फ से ढके पर्वतीय दृश्य का आनंद लेने के लिए एकत्र हुए। देशभर से पहुंचे कई पर्यटकों ने बर्फबारी को अद्भुत बताया।

राष्ट्रीय राजधानी में लगातार दूसरे दिन कोल्ड-डे दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य औसत से 2.3 डिग्री कम है।

मौसम विभाग ने यहां गुरुवार सुबह घने कोहरे की भविष्यवाणी की है और येलो अलर्ट जारी किया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश-16 डिग्री सेल्सियस और 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

इस बीच, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। चंडीगढ़ का न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब में बठिंडा राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

झारखंड में हाथी ने 6 लोगों को कुचलकर मारा

6 दिन में 16 लोगों की जान ली, वन विभाग ने अंबानी के वनतारा से मदद मांगी

एजेंसी

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। झारखंड के चाईबासा में जंगली हाथी ने मंगलवार रात 6 लोगों को कुचलकर मार डाला। यह सभी अपने घर में सो रहे थे। यह हाथी पिछले 6 दिन में इलाके के 16 लोगों की जान ले चुका है।

वन विभाग इसे पकड़ने में कामयाब नहीं हो पाया है। ऐसे में वन विभाग के अफसरों ने अनंत अंबानी के वन्यजीव संरक्षण संगठन 'वनतारा' से मदद मांगी है।

एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि हाथियों की आवाजाही के कारण दक्षिण पूर्वी रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन में छह जोड़ी ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

मरने वाले सभी 6 लोग एक ही घर में थे

मंगलवार रात चाईबासा जिले के नोवामुंडी प्रखंड के जेटिया पंचायत के भरबरिया गांव में हाथी ने जिन 6 लोगों को कुचलकर मार डाला, वह एक ही घर में सो रहे थे। रात करीब 10 बजे जब सभी सो रहे थे, तभी अचानक हाथी ने घर पर हमला कर दिया। हमले में सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो बच्चे और परिवार के दो और सदस्य मारे गए। एक बच्चा किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रहा। हमले में घर के दो अन्य लोग गंभीर घायल हैं।

पहली डिजिटल जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक

अधिसूचना जारी; 30 लाख कर्मी करेंगे डेटा संग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जनगणना 2027 के पहले चरण की समयसीमा औपचारिक रूप से अधिसूचित कर दी है।

इस चरण में घरों और आवासों की सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग ऑपरेशंस) का कार्य शामिल होगा, जो 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्धारित 30 दिनों की अवधि में पूरा किया जाएगा।

अधिसूचना में स्व-गणना का विकल्प भी जोड़ा गया है, जो घर-घर सूचीकरण शुरू होने से ठीक 15 दिन पहले उपलब्ध होगा। इससे नागरिक ऐप या पोर्टल के माध्यम से खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

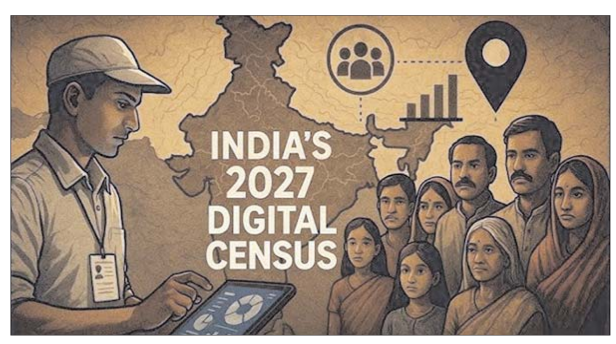

यह जनगणना कोविड महामारी के कारण स्थगित 2021 की जनगणना के बाद आयोजित की जा रही है और दो चरणों में पूरी होगी।

पहला चरण घरों की सूचीकरण और आवास स्थिति का होगा, जबकि दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगा।

संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 की आधी रात रखी गई है (हिमाच्छादित क्षेत्रों को छोड़कर, जहां यह सितंबर 2026 में होगी)।

पहली बार पूरी जनगणना डिजिटल होगी

पहली बार पूरी जनगणना डिजिटल होगी। डेटा संग्रह मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस दोनों पर) से होगा और जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। लगभग 30 लाख जमीनी कर्मचारी (मुख्य रूप से सरकारी शिक्षक) इसमें शामिल होंगे।

पिछले साल कैबिनेट ने 11,718 करोड़ रुपये की लागत से जनगणना कराने को मंजूरी दी थी। जनसंख्या गणना चरण में जाति संबंधी जानकारी भी शामिल की जाएगी, जो स्वतंत्र भारत की जनगणना में पहली बार होगा।

सरकार ने जोर दिया है कि डेटा प्रसार उपयोगकर्ता-अनुकूल होगा और जनगणना-आधारित सेवा के जरिए मंत्रालयों को मशीन-पठनीय डेटा उपलब्ध कराया जाएगा। यह विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक अभ्यास होगा, जो नीति-निर्माण और विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा।

आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण करने वालों में 13 इनामी नक्सली और 7 महिलाएं शामिल

सुकमा में 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 65 लाख रुपये का था इनाम

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार, 7 जनवरी को 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इन 26 नक्सलियों में से 13 पर 65 लाख रुपये का इनाम था।

सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने जानकारी दी कि इस 26 नक्सलियों में सात महिलाएं भी शामिल थीं। इन सभी नक्सलियों ने पुणे मार्गेम योजना के तहत अपने सामान्य जीवन में लौटने का निर्णय लिया है। इसके लिए इन सभी नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

और सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

26 नक्सलियों ने किया सरेंडर

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि ये नक्सली पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माड डिवीजन और आंध्र ओडिशा बॉर्डर डिवीजन के माओवादी संगठनों में सक्रिय थे। इन नक्सलियों का नाम छत्तीसगढ़ के अभूझमाद, सुकमा और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल था।

पुलिस ने कहा कि वे राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से भी प्रभावित थे। कंपनी पार्टी कमेटी की सदस्य 35 वर्षीय लाली उर्फ मुचाकी आयते लखमू पर 10 लाख रुपये का इनाम था।

अधिकारी ने बताया कि लाली हिंसा की कई बड़ी घटनाओं में शामिल थी, जिनमें 2017 में कोरापुट रोड (ओडिशा) पर एक वाहन को निशाना बनाकर किया गया आईईडी विस्फोट भी है, जिसमें 14 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।

अधिकारी ने बताया कि इन नक्सलियों में अन्य चार प्रमुख ने भी आत्मसमर्पण किया है।

इनमें हेमला लखमा (41), आसमिता उर्फ कमलू सन्नी (20), रामबती उर्फ पदम जोगी (21) और सुंदरम पाले (20) का नाम भी शामिल है। इन चारों नक्सलियों पर कुल 8 लाख रुपये का इनाम था।

अधिकारी ने जानकारी दी कि लखमा साल 2020 में सुकमा के मिनपा में हुए हमले में शामिल थी, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे।

सरकार ने एयरलाइंस से पूछा दिसंबर में कितना किराया वसूला

- इंडिगो की 4500 फ्लाइट्स-कैंसिल होने पर पैसेंजर्स को कई गुना किराया चुकाना पड़ा था

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो समेत एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर से दिसंबर महीने के दौरान वसूले गए एवरेज किराए का पूरा डेटा मांगा है। केंद्र सरकार ने यह कदम तब उठाया, जब पिछले महीने पायलटों की कमी के चलते इंडिगो ने हजारों फ्लाइट्स कैंसिल की थीं। जिससे पैसेंजर्स को भारी परेशानी हुई और उन्हें कई गुना किराया चुकाना पड़ा था। भारत के एविएशन मार्केट में

करीब 63 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने अकेले दिसंबर में लगभग 4,500 फ्लाइट्स कैंसिल कीं थीं। कंपनी के पास पायलटों की भारी कमी हो गई थी, जिसके कारण उसे रोजाना के अपने 2,300 ऑपरेशन्स में से बड़ी संख्या में उड़ानें रोकनी पड़ीं।

इस संकट का असर पूरे देश के हवाई यातायात पर पड़ा और मजबूरी में सफर करने वाले यात्रियों से एयरलाइंस ने मोटा किराया वसूला।

संपादकीय

ट्रंप की 'मनमानी' और भारत के सामने खड़ी होती चुनौतियां

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिकी राष्टपति के रूप में दूसरा कार्यकाल वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में अस्थिरता की नई लहर लेकर आया है। 'अमेरिका फर्स्ट' की आक्रामक और आत्मकेंद्रित नीति अब केवल अमेरिका के विरोधियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत जैसे रणनीतिक साझेदार भी इसकी चपेट में आते दिख रहे हैं। आज की अंतरराष्टीय परिस्थिति को कई विश्लेषक 'ट्रंप 2.0' कह रहे हैं—एक ऐसा दौर जहाँ कूटनीति से ज़्यादा दबाव, संवाद से ज़्यादा धमकी और सहयोग से ज़्यादा सौदेबाज़ी दिखाई देती है।

व्यापार युद्ध : भारत पर बढ़ता टैरिफ दबाव

ट्रंप की आर्थिक नीतियों का सबसे सीधा और नकारात्मक असर भारत के निर्यात क्षेत्र पर पड़ा है। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाना एक प्रकार का घोषित-अघोषित व्यापार युद्ध बन चुका है।

- **उच्च टैरिफ नीति :** अमेरिका ने कई भारतीय उत्पादों पर टैरिफ को असामान्य रूप से बढ़ाकर लगभग 50 प्रतिशत तक कर दिया है, जिससे भारतीय उद्योग प्रतिस्पर्धा से बाहर होता जा रहा है।
- **निर्यात में गिरावट :** अक्टूबर 2025 में भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में लगभग 16.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई—जो केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि चेतावनी है।
- **रूस फैक्टर :** रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने को लेकर ट्रंप प्रशासन की नाराज़गी यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा को भी अपनी विदेश नीति के चश्मे से देखने लगा है।

यह रवैया उस रणनीतिक साझेदारी की भावना के विपरीत है, जिसकी दुहाई दोनों देश वर्षों से देते आए हैं।

आईटी सेक्टर और एच-1बी वीज़ा : सपनों पर ताला

भारतीय आईटी पेशेवरों और छात्रों के लिए अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि रहा है, लेकिन ट्रंप 2.0 में यह सपना तेजी से सिमटता जा रहा है।

- **वीज़ा शुल्क का प्रस्ताव :** एच-1बी वीज़ा की फीस को लगभग .100,000 तक ले जाने का प्रस्ताव भारतीय तकनीकी पेशेवरों के लिए लगभग निषेधाज्ञा जैसा है।
- **वीज़ा रद्दीकरण :** 2025 में बड़े पैमाने पर वीज़ा रद्द किए जाने से अमेरिका में कार्यरत भारतीय युवाओं में असुरक्षा और भय का माहौल है।
- **छात्रों की मुश्किलें :** नई आव्रजन और शिक्षा नीतियों ने भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका में पढ़ाई और उसके बाद नौकरी को 'एवरेस्ट फतह' जितना कठिन बना दिया है।

यह सब उस देश में हो रहा है, जो खुद को वैश्विक टैलेंट का सबसे बड़ा लाभार्थी मानता रहा है।

रणनीतिक स्वायत्तता पर दबाव

कूटनीतिक मोर्चे पर भी तस्वीर उतनी ही जटिल है। अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी 2025 में भारत की भूमिका को सीमित करना इस बात का संकेत है कि ट्रंप प्रशासन रिश्तों को भावनाओं से नहीं, बल्कि लेन-देन की कसौटी पर परख रहा है।

अमेरिका चाहता है कि भारत चीन के खिलाफ खुलकर उसके साथ खड़ा हो, लेकिन बदले में वह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को स्वीकार करने को तैयार नहीं दिखता। यह साझेदारी नहीं, बल्कि दबाव की राजनीति है।

निष्कर्ष : भारत के लिए चेतावनी और अवसर

ट्रंप की नीतियों को 'मनमानी' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा, क्योंकि ये स्थापित अंतरराष्ट्रीय नियमों और बहुपक्षीय संतुलन को लगातार कमजोर कर रही हैं। भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है।

अब ज़रूरत है—

- अमेरिकी बाज़ार पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की,
- यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक रिश्ते मज़बूत करने की,
- और सबसे बढ़कर, राष्ट्रीय हितों पर किसी भी दबाव के सामने संयमित लेकिन दृढ़ रुख अपनाने की।

व्यक्तिगत स्तर पर ट्रंप और भारतीय नेतृत्व के बीच चाहे जितनी भी केमिस्ट्री रही हो, पर राष्ट्रों के रिश्ते व्यक्तित्व से नहीं, हितों से तय होते हैं। भारत को अब स्पष्ट करना होगा कि सहयोग होगा—लेकिन कीमत पर नहीं, और दोस्ती होगी—पर अधीनता नहीं।

पंजाब में बढ़ते अपराध

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक श्रृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है।

इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारत: एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

-ललित गर्ग-

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्राय: एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे 'वैधता' का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है।

एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरुआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है।

लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरुआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं।

साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा।

वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंतत: समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वत: कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंतत: सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके।

समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है।

क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती ?

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3764

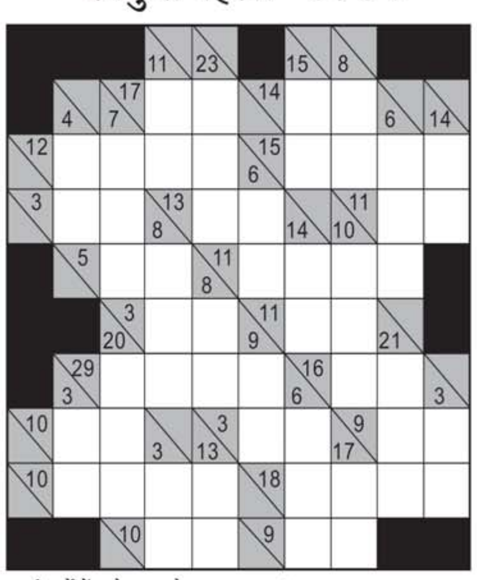

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15/24 → 1 2 3 4 5; ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3763 का हल

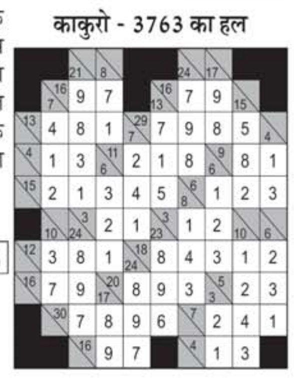

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला ?

नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3764

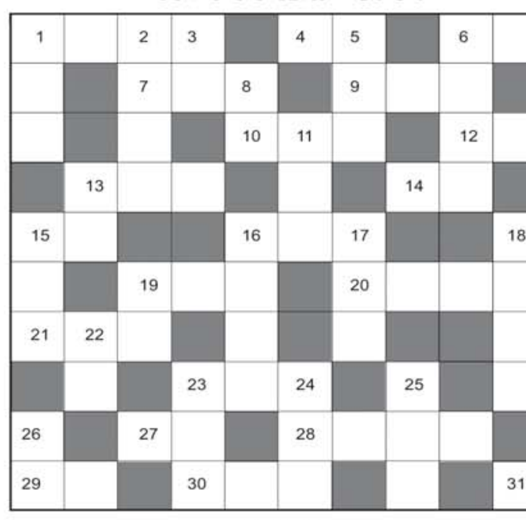

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिछ्छू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3763

सूडोकु -3764

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3763 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3764

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -3763 का हल

नोएडा में यमुना पुश्ता पर एलिवेटेड रोड की तैयारी

एयरपोर्ट कनेक्टिविटी को मिलेगा बूस्ट, लखनऊ में हुई हाईलेवल मीटिंग

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेसवे पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव और इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए यमुना पुश्ता पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना पर काम तेज हो गया है। इस सड़क का निर्माण एनएचएआई या यूपीडा में से कोई भी एजेंसी कर सकती है। प्रोजेक्ट को पीपीपी मॉडल पर लाया जा सकता है, जिसमें टोल लगाकर निर्माण लागत वसूली जाएगी। चूंकि निर्माण पुश्ता और उसके आसपास की जमीन पर प्रस्तावित है, इसलिए इसके लिए सिंचाई विभाग से एनओसी लेना जरूरी होगा।

इस योजना को लेकर लखनऊ में बड़े स्तर पर बैठक हुई, जिसमें पुश्ता रोड पर प्रस्तावित एलिवेटेड प्रोजेक्ट और उसकी जियोग्राफिक मैपिंग प्रस्तुत की गई। बैठक में फंडिंग पैटर्न, निर्माण एजेंसी, डिजाइन और तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। यह चर्चा आईडीसी दीपक कुमार के साथ की गई। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में इस प्रोजेक्ट पर अंतिम मुहर लग सकती है।

सिंचाई विभाग ने पहले नहीं दी थी एनओसी

इससे पहले नोएडा प्राधिकरण कई बार सिंचाई विभाग से एनओसी लेने का प्रयास कर चुका है। करीब तीन महीने पहले विभाग ने पत्र लिखकर साफ किया था कि तटबंध के पास निर्माण से ड्रेनेज चैनल और एम्बैंकमेंट प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए अनुमति नहीं दी जा सकती। अब नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है। हालांकि प्रस्तावित सड़क एलिवेटेड रूप में ही बनाई जाएगी।

बोर्ड बैठक में यूपीडा को मिली थी मंजूरी

यमुना पुश्ता सेक्टर-94 से सेक्टर-150 तक करीब 23 किलोमीटर और आगे यमुना एक्सप्रेसवे तक लगभग 30 किलोमीटर लंबा है। इसी पूरे हिस्से पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना है, जिसकी लागत हजारों करोड़ रुपए में आ सकती है। इतना बड़ा बजट एक साथ वहन करना नोएडा प्राधिकरण के लिए संभव नहीं है। इसी वजह से योजना को बोर्ड बैठक में लाया गया था, जहां निर्माण के लिए यूपीडा को चुना गया और खर्च तीनों प्राधिकरणों द्वारा साझा करने का प्रस्ताव रखा गया था।

एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे दोनों को मिलेगा फायदा

लखनऊ में हुई बैठक के नतीजे जल्द सामने आने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि सिंचाई विभाग एनओसी जारी कर सकता है और निर्माण का जिम्मा यूपीडा या एनएचएआई को सौंपा जा सकता है। एलिवेटेड रोड बनने से दिल्ली को सीधे इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, वहीं नोएडा एक्सप्रेसवे का ट्रैफिक दबाव भी कम होगा।

ग्रेटर नोएडा में कासना-सिरसा रोड होगी 4 लेन

ईपीई तक सड़क की रीसर्फेसिंग, 9.5 करोड़ से सुधरेगा सफर

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कासना से सिरसा गोलचक्कर तक सड़क चौड़ीकरण और सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) एंट्री प्वाइंट तक सड़क की रीसर्फेसिंग कराने का फैसला लिया है। इस योजना के लागू होने से कासना से सिरसा होते हुए ईपीई तक का सफर अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा।

कासना से सिरसा गोलचक्कर तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क को मौजूदा तीन लेन से बढ़ाकर चार लेन किया जाएगा। इस चौड़ीकरण कार्य पर लगभग 9.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। परियोजना विभाग ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है और अगले दो माह में निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। वहीं, सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के एंट्री प्वाइंट तक सड़क की रीसर्फेसिंग मिलिंग तकनीक से कराई जाएगी। इस पद्धति में सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ती और पुरानी सड़क सामग्री को रीसाइकिल कर दोबारा इस्तेमाल किया जाता है, जिससे लागत कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। इस कार्य को एसीईओ की सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे छह माह के भीतर पूरा किया जाएगा।

यह मार्ग कासना से सिरसा होते हुए ईपीई तक प्रतिदिन हजारों वाहनों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने की तैयारी को देखते हुए भी इस सड़क का महत्व और बढ़ गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि ने दोनों मार्गों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इन कार्यों को प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वर्क सर्किल-7 द्वारा कराया जाएगा।

शार्ट न्यूज

12 जनवरी को होगी जेवर तहसील में मत्स्य पालन हेतु तालाब/ पोखर, मीनाशय एवं जलमग्न भूमि आवंटन की नीलामी

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। तहसीलदार जेवर गौतमबुद्धनगर ओम प्रकाश पासवान ने बताया कि तहसील जेवर के अंतर्गत मत्स्य पालन हेतु तालाब, पोखर, मीनाशय एवं जलमग्न भूमि के 10 वर्षीय आवंटन के लिए पात्र व्यक्तियों से नीलामी प्रक्रिया आयोजित की जानी है। यह नीलामी राजस्व संहिता नियमावली 2016 व उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशों के अंतर्गत संपन्न कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि पूर्व में निर्धारित नीलामी तिथि 8 दिसंबर 2025 को आयोजित की जानी थी परंतु नियत तिथि पर कोई भी बोलीधारक उपस्थित न होने के कारण नीलामी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी थी। उक्त के दृष्टिगत अब पुनः नीलामी की तिथि 12 जनवरी 2026 दिन सोमवार, समय 11 बजे सभागार तहसील जेवर गौतमबुद्धनगर में निर्धारित की गई है। इच्छुक एवं पात्र बोलीधारक नियत तिथि व समय पर अपने निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, खतौनी, आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ उपस्थित होकर नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में पीने के पानी में सीवर मिला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के डेल्टा 1 सेक्टर में घरों में पीने के पानी की आपूर्ति में सीवर का गंदा पानी मिलने से कई लोग बीमार पड़ गए हैं। निवासियों का आरोप है कि तीन दिनों तक लगातार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार विभाग ने इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष पंकज नागर ने बताया कि पिछले तीन दिनों से सेक्टर में पीने के पानी के साथ सीवर का पानी मिलकर आ रहा है। इस संबंध में प्राधिकरण में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी ऐसी स्थिति में लोग बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुए थे। डेल्टा निवासी विजय सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से सप्लाई का पानी बिल्कुल पीला और गंदा आ रहा है। उनके घर में भी बच्चे उल्टी और दस्त की समस्या से बीमार हुए हैं। रुक्मणी सिंह भाटी ने भी पानी से बदबू आने और बच्चों के बीमार होने की बात कही। निवासियों के अनुसार, इस दूषित पानी के कारण कई लोगों को उल्टी, दस्त, सिरदर्द और बुखार जैसी दिक्कतें आई हैं। वही प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आज प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

ग्रेटर नोएडा में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा-2 पुलिस ने सिग्मा-1 सर्विस रोड के पास से वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया और गिरोह में शामिल दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर थाना बीटा-2 पुलिस ने सिग्मा-1 क्षेत्र में घेराबंदी की। इसी दौरान दो चोरों को पकड़ा गया। पकड़े गए बदमाशों के पास से दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। जांच में सामने आया कि ये दोनों मोटरसाइकिलें थाना बीटा-2 क्षेत्र से ही चोरी की गई थीं। पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने इन मोटरसाइकिलों पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। बीटा-2 थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता था। ये पहले भीड़भाड़ वाले इलाकों या पार्किंग में मोटरसाइकिलों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही कुछ मिनटों में लॉक तोड़कर वाहन चोरी कर लेते थे।

जेवर में ट्रैक्टर की टक्कर से दो घायल

जेवर। जेवर कस्बे के मुख्य चौराहे पर मंगलवार रात एक अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक व्यक्ति की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, जेवर कोतवाली के गांव बेगमाबाद निवासी मुकेश कुमार अपने नौकर पन्नालाल के साथ बाइक से टप्पल के पास स्थित अपने ईंट भट्ठे पर जा रहे थे। जब वे जेवर कस्बे के मुख्य चौराहे के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से घायलों को जेवर स्थित कैलाश अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मुकेश कुमार की हालत गंभीर बताई है, जबकि पन्नालाल का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

छत से गिरी चार साल की बच्ची

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक चार वर्षीय बच्ची छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। यह घटना गांव नंगला जहानु में हुई। गांव निवासी आजाद की बेटी हुमैरा (4) शाम के समय घर की छत पर खेल रही थी। खेलते-खेलते वह छत के किनारे पहुंच गई और अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई। बच्ची के गिरने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि हुमैरा खून से लथपथ और अचेत अवस्था में पड़ी थी। परिजन बिना देरी किए बच्ची को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे तुरंत भर्ती कर उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल बच्ची की हालत नाजुक बताई जा रही है और उसे गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

किसान एकता संघ ने यमुना प्राधिकरण को सौंपा ज्ञापन

जेवर। मंगलवार को किसान एकता संघ ने जेवर के किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर यमुना प्राधिकरण में एक ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो 16 फरवरी से प्राधिकरण कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। यह ज्ञापन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (युवा) विक्रम नागर के नेतृत्व में ओएसडी शैलेंद्र सिंह को दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से किसान एकता संघ ने दनकौर क्षेत्र के किसानों से जुड़ी लंबित समस्याओं की ओर प्राधिकरण का ध्यान आकर्षित कराया। संगठन की प्रमुख मांगों में किसानों की आबादी का निस्तारण, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में अधिग्रहित भूमि पर 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा और 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट का आवंटन शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्थानीय युवाओं को कंपनियों में 50 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित करने और सभी भूमि अधिग्रहण मामलों में भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को लागू करने की मांग भी की गई।

बर्फीली हवा से कंपकंपी बढ़ी, प्रदूषण घटा

नोएडा। जिले में बुधवार को बर्फीली हवा से कंपकंपी बढ़ा गई। हालांकि, प्रदूषण स्तर में कमी दर्ज की गई। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। मंगलवार को यह बेहद खराब श्रेणी में था। नोएडा का एक्यूआई बुधवार को 288 और ग्रेटर नोएडा का 298 दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले नोएडा का एक्यूआई 26 अंक कम हुआ। वहीं, ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में 32 अंक की कमी दर्ज की गई। नोएडा में सेक्टर-116 सबसे अधिक वायु प्रदूषित स्थान रहा। यहां का एक्यूआई 312 रहा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कड़ाके की ठंड जारी है।सुबह कोहरा रहा। बर्फीली हवा ने कंपकंपी बढ़ा दी। दोपहर में खिली धूप निकलने से मामूली राहत मिली। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले यह लगभग एक डिग्री अधिक है। मौसम विज्ञान विभाग ने अधिकतम तापमान के आंकड़े जारी नहीं किए।

कृषि रक्षा इकाइयों पर उपलब्ध रसायन, यंत्र व बखारी पर अनुदान

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर विवेक दूबे ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि गेहूं, आलू एवं राई सरसों की प्रमुख फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के प्रभावी नियंत्रण हेतु कृषि रक्षा इकाइयों पर विभिन्न सुविधाएं एवं अनुदान उपलब्ध कराए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि विभिन्न पारिस्थितिकीय संसाधनों द्वारा कीट एवं रोग नियंत्रण योजनान्तर्गत बायोपेस्टीसाइड जैसे ट्राइकोडर्मा एवं ब्यूवेरिया बेसियाना पर कृषकों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कृषि रक्षा रसायनों पर 50 प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था है।

कृषि रक्षा उपकरणों के अंतर्गत शक्ति चालित स्प्रेयर पर मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 3000 रुपये तथा मानव चालित स्प्रेयर पर मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 1500 रुपये देय है। साथ ही अन्न भंडारण हेतु बखारी पर मूल्य का 50 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 2000 रुपये निर्धारित किया गया है। बखारी की अधिकतम क्षमता 5 कुंटल, 24 गेज एवं आईएसआई मार्क का होना अनिवार्य है।

नोएडा में युवक को चाकुओं से गोदा, अस्पताल में भर्ती

बहन से प्रेम प्रसंग के शक में दोनों भाइयों ने मारा, तलाश में जुटी पुलिस

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र की चोटपुर कॉलोनी में बुधवार सुबह बहन से प्रेम-प्रसंग के शक में दो भाईयों ने एक युवक को चाकुओं से गोद डाला। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने युवक की मां की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

पुलिस ने बताया कि मूलरूप से बिहार के जिला बक्सर निवासी संगम तिवारी परिवार के साथ पिछले कई सालों से चोटपुर कॉलोनी में रहता है। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे संगम के पास कॉलोनी में ही दो युवक श्रीकांत और राज सिंह हाथ में चाकू लेकर आ धमके। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए धमकाने लगे। दोनों ने युवक पर बहन को फोन कॉल करके परेशान करने और प्रेम-प्रसंग का आरोप लगाया।

चाकू से किए वार

संगम ने विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। युवक के शरीर पर चाकुओं से कई बार हमला किया। युवक पर चाकू से हमला होते देख स्थानीय लोगों में भगदड़ मच गई।

कुछ लोगों ने संगम को बचाने का प्रयास किया, लेकिन युवकों के हाथ में चाकू देख दूर हट गए। युवक को लहूलुहान हालत में छोड़कर आरोपी भाग गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

परिजनों ने दर्ज कराई एफआईआर

डॉक्टर के मुताबिक,युवक की हालत गंभीर है। संगम की मां कंचन तिवारी ने एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि श्रीकांत की बहन उनके पुत्र संगम को विरोध के बावजूद फोन करती है। यह बात संगम ने परिजन को बताई। परिजन ने इसकी जानकारी श्रीकांत के परिजन को दी। आरोप है कि इस पर श्रीकांत अपनी बहन को समझाने के बजाय चचेरे भाई राज सिंह के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया।

नोएडा में अवैध कब्जा करने पर पांच पर मुकदमा

अधिसूचित जमीन पर हो रहा था निर्माण, दो साल में 2745 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र में नोएडा प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा करके निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। प्राधिकरण की ओर से पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर जांच कराई जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल पांच पर तैनात अवर अभियंता राजेश कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि बसई बाउद्दीननगर गांव में प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। उस जमीन पर कुढ़िया गढ़ी निवासी अशोक कुमार द्वारा अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके संबंध में पूर्व में कई बार अशोक कुमार को नोटिस देकर सूचना दी, लेकिन आरोपी ने निर्माण कार्य नहीं रुकवाया।

दो साल में 2745 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

नोएडा प्राधिकरण द्वारा साल-2024-25 में कुल 215912 वर्ग मीटर और साल 2025-26 में कुल 2393158 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है, जिसकी बाजार अनुमानित कीमत रुपए 2745 करोड़ है। पुलिस थानों में लगभग 25 एफआईआर दर्ज कराई गई। वर्तमान में नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 174 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध 527 नोटिस जारी किये गए हैं।

रात में हो रहा था निर्माण

अवर अभियंता एसबी मौर्य ने पुलिस को बताया कि गढ़ी चौखंडी गांव निवासी अमित यादव, रवि यादव, भरत यादव ने सेक्टर-121 स्थित गढ़ी चौखंडी गांव में नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जा करके रात के अंधेरे में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोपी बार-बार चेतावनी देने के बाद भी रुक नहीं रहे हैं। इसके अलावा गढ़ी चौखंडी गांव में विजय कुमार सिंघल द्वारा अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस भर्ती में आयु सीमा में छूट मिली

जेवर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट देने के निर्णय से प्रदेशभर के युवाओं में उत्साह है। इस फैसले को लेकर युवाओं में खुशी की लहर है, जो इसे अपने भविष्य के लिए एक नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को गौतमबुद्ध नगर के रबूपुरा स्थित जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के कैंप कार्यालय पर विभिन्न जनपदों से आए बड़ी संख्या में युवाओं ने उनसे मुलाकात की। युवाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। युवाओं ने कहा कि यह फैसला उन अभ्यर्थियों के लिए संजीवनी साबित होगा, जो किसी कारणवश आयु सीमा के चलते भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो गए थे। उन्हें अब पुलिस भर्ती में शामिल होने का अवसर मिलेगा। विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस निर्णय को युवाओं के हित में लिया गया एक दूरदर्शी और संवेदनशील कदम बताया।

पुलिस-बदमाश के बीच मुठभेड़

पैर में गोली लगने से 2 चोर गिरफ्तार, मंदिर और घरों में करते थे चोरी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर थाना पुलिस और बाइक सवार बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए, जिन्हें गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों बदमाश मंदिरों और रिहायशी इलाकों में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

बुधवार सुबह सूरजपुर थाना पुलिस मोजर वियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी और जंगल की ओर भागने लगे।

पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया। भागते समय उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद हुई जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर पड़े। पुलिस ने दोनों को मौके पर ही दबोच लिया और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

घायल बदमाशों की पहचान सिराजुद्दीन उर्फ गुड्डू निवासी ग्राम आचरू कलां, थाना शिकारपुर, जिला बुलंदशहर और मयंक शर्मा निवासी ग्राम खेड़ा, थाना पिलखुआ, जिला हापुड़ के रूप में हुई है।

पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस, नवादा मंदिर से चोरी किए गए 20,700 रुपये, तिलपता गांव से चोरी किया गया एक मोबाइल फोन, 2,165 रुपये नकद, एक काला बैग, दो आधार कार्ड, ताला तोड़ने के औजार और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि दोनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। ये पहले इलाके की रेकी करते थे और फिर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

निक्की हत्याकांड में जेठ रोहित को हाईकोर्ट से जमानत

सिरसा गांव में विवाहिता को जलाकर हत्या का मामला, 22 अगस्त को दर्ज हुआ था मुकदमा

नोएडा। सिरसा गांव में निक्की भाटी को जलाकर हत्या किए जाने के बहुचर्चित मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की एकलपीठ, न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने मृतका के जेठ रोहित भाटी को जमानत दे दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस स्तर पर अभियोजन पक्ष के साक्ष्य आवेदक की प्रत्यक्ष संलिप्तता को स्पष्ट रूप से साबित नहीं करते हैं। ऐसे में रोहित को जमानत का लाभ दिया जाना उचित है।

यह मामला 22 अगस्त 2025 को कासना कोतवाली में दर्ज कराया गया था।

मृतका निक्की भाटी की बहन कंचन ने एफआईआर में आरोप लगाया था कि 21 अगस्त की शाम निक्की के पति विपिन, सास दया, ससुर सत्यवीर और जेठ रोहित ने मिलकर उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसने के कारण निक्की की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस को शुरुआती बयानों में अहम मोड़ मिला। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों और नर्सों ने अपने बयान में कहा कि निक्की ने उन्हें बताया था कि वह गैस सिलेंडर फटने से झुलसी है। बाद में परिस्थितियों और पारिवारिक आरोपों के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी पति विपिन को 23 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर थिनर की बोतल बरामद की गई थी।

इसके बाद पुलिस ने सास दया, ससुर सत्यवीर और जेठ रोहित को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में जिला सत्र न्यायालय से जेठ रोहित और ससुर सत्यवीर की जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी थीं। इसके बाद रोहित ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष की ओर से दलील दी गई कि रोहित का घटना से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

नोएडा में युवक ने किया सुसाइड

नोएडा। थाना फेज-3 थाना क्षेत्र के गांव मामूरा स्थित एक कमरे में पिछले चार साल से लिव इन में रह रहे युवक ने रविवार रात फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सुसाइड के लिए मजबूर करने के आरोप में युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मूलरूप से जिला प्रतापगढ़ के रामगढ़ी निवासी अतुल कुमार ओझा नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। वह गरिमा सिंह नामक युवती के साथ पिछले चार साल से लिव इन में रह रहा था। दोनों अलग-अलग एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। पिछले कुछ समय से सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव की गली नंबर-आठ स्थित एक कमरे में किराए पर रहते थे। रविवार देर रात सूचना मिली कि अतुल कुमार ओझा का शव कमरे में फंदे पर लटका हुआ। शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसकी सूचना परिजन को भी दी। कमरे अतुल के साथ रहने वाली गरिमा सिंह से पूछताछ की तो पता चला कि कुछ दिन पहले ही अतुल को कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया था। इसको लेकर वह मानसिक रूप से तनाव में था।

नोएडा में चार स्थानों पर बनेगी पज़ल पार्किंग

चार से छह फ्लोर की होगी, एक फ्लोर पर 25 कार , पहली के लिए दो कंपनियां आईं

नोएडा। नोएडा शहर में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। सड़कों पर सरफेस पार्किंग की जा रही है। ये जाम का कारण भी बनती है। इसका विकल्प प्राधिकरण ने पज़ल पार्किंग के रूप में तलाश लिया है। पहली पज़ल पार्किंग सेक्टर-63 में बनेगी। इसके लिए दो कंपनियां आई है। एक कंपनी का चयन किया जाएगा। पार्किंग निर्माण और संचालन का काम कंपनी करेगी।

इसी तरह नोएडा में तीन और स्थानों पर पज़ल पार्किंग बनाई जाएगी। दूसरी पार्किंग सेक्टर-124 में बन सकती है। प्राधिकरण ने बताया कि ये पार्किंग हाइड्रोलिक पार्किंग से अलग होती है। ऑटोमेटिड पज़ल पार्किंग एक पज़ल गेम की तरह है। जिसमें जितने पार्किंग स्लॉट होते है उतने ही स्टैंड होते है। जो ऊपर, नीचे, दाय और बाय मूवेबल होते है।

एक कार को पार्क करने में 3 से 6 मिनट का समय लगता है। यानी मल्टीलेवल और हाइड्रोलिक या अन्य स्थानों पर पार्किंग करने पर गाड़ी निकालने और पार्क करने में आपको 15 से 20 मिनट का समय लगता है। नोएडा में चार से छह फ्लोर तक की ऑटोमैटिड पजल पार्किंग बनाएंगे।

इसके प्रत्येक फ्लोर पर 25 कार आसानी से पार्क हो सकेंगे।

पार्किंग निर्माण में नहीं लेता स्पेस

इस तरह की पार्किंग के निर्माण में ज्यादा स्पेस की जरूरत नहीं होती। बहुत कम स्पेस में पांच से छह फ्लोर तक की बन सकती है। ये पूरी पार्किंग सेंसर बेस्ड होती है। इसलिए चोरी से लेकर टूट फूट का खतरा नहीं होता। आपरेशन के लिए ज्यादा मैन पावर की आवश्यकता नहीं है। हालांकि संचालन के लिए उसी कंपनी को प्रिफरेंस दिया जाएगा जो पहले इसका संचालन कर चुकी है।

पीली लाइन पार करते ही रुक जाएगा सिस्टम

दरअसल ये पार्किंग ऑटोमेटिड है। इसमें गाडिया ग्राउंड से एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर में शिफ्ट होती है। उसी तरह नीचे आती है। ये पूरा काम मशीनों के जरिए होता है। इसलिए इसमें सेंसर लगाए गए है। यदि कोई बच्चा या जानवर गलती से पार्किंग के अंदर आ जाए तो ऑटोमैटिक जहां कार है वहीं स्थिर हो जाएगी। वो नीचे नहीं आएगी ताकि इसके नीचे कोई दब न जाए। इसकी रेंज तय की जा सकती है। जिसे पीली लाइन से इंडीकेट किया जा सकता है।

बरखेड़ा में लापता राजमिस्त्री का शव तालाब में मिला, परिवार में मचा कोहराम

मंगलवार शाम बाजार जाने की बात कहकर निकले थे

पीलीभीत। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जिरौनिया में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के पास स्थित तालाब में एक राजमिस्त्री का शव उतराता हुआ मिला। मृतक की पहचान महेंद्रपाल (40) पुत्र गोकुल प्रसाद के रूप में हुई है, जो मंगलवार शाम घर से जंगीरौटी बाजार जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे।

परिजनों ने देर शाम तक महेंद्रपाल का इंतजार किया। रात भर उनकी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

बुधवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के समीप तालाब में शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई सूचना पर सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी और सुनगढ़ी थाना प्रभारी नरेश त्यागी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। फील्ड यूनिट की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि महेंद्रपाल शराब पीने का आदी था। बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम उसे कुछ लोगों ने नशे की हालत में भी देखा था। हालांकि, परिजनों की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है और न ही कोई तहरीर दी गई है। महेंद्रपाल पेशे से राजमिस्त्री था और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी।

उसके परिवार में दो पुत्र और सात पुत्रियां हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

आगरा में 22 लाख की चोरी, बरामद हुए 97 लाख

आगरा। आगरा से चोरी का अनोखा मामला सामने आया है। जूता कारोबारी के कार्यालय पर सोमवार रात चोरी हुई। कारोबारी ने पुलिस को 22 लाख रुपए की चोरी बताई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ कर पैसे बरामद किए। जब पैसों को गिना गया, तो वह 97 लाख निकले। दरअसल, कारोबारी को लग रहा था कि उसकी तिजोरी से 22 लाख रुपए चोरी हुए हैं। जबकि चोर ने पूरी तिजोरी खाली कर दी थी। पुलिस ने बुधवार को 36 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार करके मामले का खुलासा किया। घटना के बाद पुलिस की 5 टीमें एक्टिव थीं। पुलिस की जांच में कारोबारी के यहां काम करने वाला ही चोर निकला। उसने अपने घर की छत पर कबाड़ में रकम छिपाकर रखी थी। वारदात में 2 लोगों ने उसका साथ दिया था।

आत्महत्या दुष्प्रेरण के आरोपी को जेल भेजा

ललितपुर। जाखलौन पुलिस ने आत्महत्या के दुष्प्रेरण के अभियोग में अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर, अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जाखलौन पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 04/2026 धारा- 316(2)/108 बीएनएस में वांछित अभियुक्त नरेन्द्र पुत्र शिवराज अहिरवार उम्र करीब 38 वर्ष नि0 ग्राम जमुनिया थाना जाखलौन जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

वादी मुकदमा द्वारा तहरीर देकर अवगत कराया गया कि अभियुक्त द्वारा उसकी पत्नी के रुपये वापस न करना व प्रताड़ित करना, जिससे क्षुब्ध होकर उसकी पत्नी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेना।

सूचना पर थाना जाखलौन पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर, मृतका के शव को कब्जा पुलिस लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर, शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर के आधार पर थाना जाखलौन पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

लोहिया की इमरजेंसी में 40 बेड का होगा इजाफा

लखनऊ। लखनऊ के डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की इमरजेंसी में गंभीर मरीजों को बेड के लिए इंतजार नहीं करना होगा। अभी इमरजेंसी में 78 बेड पर मरीज भर्ती किए जा रहे हैं, जिसमें 46 बेड आईयीयू वेंटिलेटर सुविधा से लैस हैं। दूर दराज से आने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया- इमरजेंसी को विस्तार देने का काम अंतिम दौर में है। डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि इमरजेंसी में 40 बेड और बढ़ाए जा रहे हैं। इसमें करीब 15 से 20 बेड पर वेंटिलेटर की सुविधा है। ऑक्सीजन की व्यवस्था सभी बेड पर होगी। उन्होंने बताया कि बेड बढ़ने से और अधिक मरीजों को भर्ती किया जा सकेगा। इससे दूसरे संस्थानों में मरीजों का दबाव कम होगा। गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलने की राह आसान होगी। जनवरी के अंतिम सप्ताह तक इमरजेंसी पूरी तरह से तैयार होने की उम्मीद है। निदेशक कर रहे निगरानी इमरजेंसी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निदेशक डॉ. सीएम सिंह इमरजेंसी सेवाओं की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इमरजेंसी के आस-पास दो दर्जन से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

रिक्रूट आरक्षियों को भीड़ प्रबंधन व यातायात व्यवस्था के दिए गए व्यावहारिक गुर

पुलिस लाइन में DIG/SP ने प्रशिक्षण के दौरान साझा किए अनुभव

पीलीभीत। पुलिस लाइन पीलीभीत में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों को बुधवार को भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था के प्रभावी संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। DIG/SP पीलीभीत ने रिक्रूट आरक्षियों को बताया कि किसी भी कार्यक्रम, त्योहार अथवा आपात स्थिति के दौरान भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की अहम जिम्मेदारी होती है।प्रशिक्षण के दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात डायवर्जन, प्रभावी मॉनिटरिंग और मानव श्रृंखला गठन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने

व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार संवेदनशील परिस्थितियों में संयम, सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य कर स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

DIG/SP ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से निगरानी को मजबूत किया जा सकता है, वहीं मानव श्रृंखला बनाकर अनुशासन बनाए रखने में भी पुलिस को सफलता मिलती है। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों से कहा कि मैदान में तैनाती के दौरान प्रशिक्षण में मिली जानकारी का सही उपयोग करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल, क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी बीसलपुर प्रगति चौहान तथा पुलिस उपाधीक्षक आकृति पटेल भी उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान रिक्रूट आरक्षियों ने भी अपने सवाल रखे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से समाधान किया।

सड़क सुरक्षा अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु संचालित गतिविधियों की समीक्षा हेतु डीएम ने ली बैठक

डग्गामार वाहनों, स्टंडवाजों व अवैध रुप से हाईवे पर खड़े वाहनों पर कार्यवाही के निर्देश

ललितपुर। शासन द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से दिये गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने आज बुधवार को कलैक्ट्रेट सभागार में परिवहन, लोक निर्माण विभाग, यातायात, नगर विकास सहित सम्बंधित लाइन विभागों के साथ जनपद में सड़क सुरक्षा अभियान के सफल क्रियान्वयन व इसके लिए विभागों द्वारा की जा रही गतिविधियों की समीक्षा हेतु बैठक की। जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि राजस्व विभाग, परिवहन, यातायात, पीडब्ल्यूडी व नगर पालिका की संयुक्त टीम बनाकर विभिन्न मार्गों पर अनाधिकृत रुप से खड़े होने वाले वाहनों के लिए होल्डिंग

एरिया, लेआउट एरिया व कमरतोड़ू स्पीड ब्रेकरों का चिन्हीकरण कर लें, ताकि वाहनों द्वारा अतिक्रमण की समस्या न हो।

अधिशासी अधिकारी शहर में अवैध होर्डिंग्स को हटाये जाने के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलायें और शहर के मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य त्वरिगत गति से करायें और पीए सिस्टम दुरुस्त करायें। अधिशासी अभियंता लोनिवि मार्गों के किनारे झाड़ियों की कटाई के लिए अभियान चलायें व साईनेज लगवायें, जिससे दुर्घटनाएं न हों।यातायात प्रभारी सड़क दुर्घटना में 'जीरो फेटिलिटी' हेतु कार्ययोजना तैयार करें, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावित व्यक्तियों के लिए 'ट्रामा केयर' आकस्मिक चिकित्सा इकाईयां तैयार करायें और बस चालकों के लिए हेल्थ चेकअप कैम्प आयोजित करायें। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिये कि सभी डग्गामार वाहनों को सीज करें, बसों की फिटनेस की निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि 300 किमी से अधिक चलने वाली बसों में अनिवार्य रुप से दो ड्राईवर रहें।

'चौकीदरवा कायर बा' गाने वाली नेहा की गिरफ्तारी पर रोक

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को नेहा सिंह राठौर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने चौकीदरवा कायर बा... गाना गाया था। इसके बाद वाराणसी और लखनऊ में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने नेहा को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा था। उस समय नेहा ने तबीयत का हवाला दिया था। इसके बाद दोबारा मिले नोटिस पर 3 जनवरी की रात नेहा पति के साथ कोतवाली पहुंचीं थीं। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और मामले की शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा कि नेहा राठौर के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत दी गई जानकारी

ललितपुर। जखौरा क्षेत्र के बाजार, बस्ती में महिलाओं व पुरुषों को बुलाकर लोगों के साथ घटित साइबर अपराध की रोकथाम के संदर्भ में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, जनपद ललितपुर के थाना जखौरा की साइबर क्राइम सेल, पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के राजकीय इण्टर कॉलेज, जखौरा में छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया । जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया । किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोई ऐप डाउनलोड न करें । किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें । सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने बिना उसे शेयर न करें, अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें तथा सिक्योरिटी फीचर हमेशा ऑन रखें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच या धमकी पर विश्वास न करें ।

मेरठ में हिंदू संगठन ने फूंका बांग्लादेश प्रधानमंत्री का पुतला

मेरठ। मेरठ के ग्राम दबथुआ में बुधवार को हिंदू स्वाभिमान परिषद के जिला अध्यक्ष और किसान शक्ति प्रकोष्ठ के नेतृत्व में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री यूनुस का पुतला दहन किया गया। इस दौरान उन्होंने युनुस मुर्दाबाद के नारे भी लगाए और हिंदुओं को एक जुट होने की अपनी भी की। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में किया गया।

पुतला दहन करते हुए जिला हिंदू स्वाभिमान परिषद के जॉनी चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश में लगातार हिंदू समुदाय के लोगों पर अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन वहां की सरकार इन्हें रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तत्काल हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित भारत लाने की व्यवस्था की जाए।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर जल्द लगाम नहीं लगाई गई तो हम सभी एकजुट होकर एक उग्र आंदोलन करेंगे।

हम अपने भाईयों का अत्याचार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगे। इस दौरान आदेश फौजी, सत्यप्रकाश, धर्मेंद्र, बाला देवी, अंकित, अमित, सिद्धांत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यातायात एवं सड़क सुरक्षा को पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया । उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी

न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें । वाहन चलाते समय हेडलाइट, फॉग लाइट एवं रिफ्लेक्टर का सही प्रयोग करें, हाई बीम का अनावश्यक उपयोग न करें तथा दृश्यता कम होने पर सावधानीपूर्वक वाहन संचालित करें। ड्रिंक एंड ड्राइव के संबंध में विशेष अपील : यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यह भी जागरूक किया जा रहा है कि नशे की हालत में वाहन चलाना गंभीर अपराध है, जिससे न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों के जीवन को भी खतरा उत्पन्न होता है। नशे में वाहन चलाने पर कानून के तहत कठोर दण्डात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। अत: सभी वाहन चालकों से अपील की जाती है कि नशे की स्थिति में वाहन बिल्कुल न चलाएं। तत्पश्चात, यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए कुल 91 चालान किए गए। यातायात पुलिस ललितपुर आमजन से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें तथा दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

महिलाओं-बालिकाओं को हेल्प लाइन नंबरों की दी जानकारी

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और

आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सख्त हिदायत दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

मासूम से 48 साल के अधेड़ ने रेप किया

हसनपुर (अमरोहा)। यूपी के अमरोहा में 48 साल के आरोपी ने 4 साल की बच्ची के साथ रेप किया। बच्ची अपनी नानी के साथ रहती थी। वह मंगलवार शाम घर के बाहर खेल रही थी। तभी आरोपी उसे चॉकलेट का लालच देकर सुनसान जगह पर ले गया। उससे रेप कर लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गया। घर पर परिजन बच्ची को तलाशने लगे। करीब एक घंटे बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसे घर से 200 मीटर दूर नहर के किनारे खून से लथपथ पाया। से तत्काल नजदीकी सीएचसी ले गए। जहां गंभीर हालत देखते हुए बच्ची को जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों से मुताबिक, बच्ची के प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोट है। शरीर पर खरोंच के निशान हैं। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। आसपास पूछताछ के बाद आरोपी की लोकेशन ट्रेस हुई। घटना के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को देखते ही फायरिंग कर दी। एक गोली दरोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में फंस गई। जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी के पैर में लगी। वो मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस उसे पकड़कर जिला अस्पताल ले गई, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसके पास से तमंचा बरामद किया गया है।

शार्ट न्यूज

छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया अनुसूचित जनजाति खेल में दिखाएंगे पीलीभीत के खिलाड़ी

पीलीभीत। जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया अनुसूचित जनजाति खेल प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए इच्छुक खिलाड़ी 11 जनवरी तक गांधी स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में अपना पंजीकरण करा सकते हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि लखनऊ स्थित खेल निदेशालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया अनुसूचित जनजाति खेल का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जिले से चयनित खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में फुटबॉल, हॉकी, तीरंदाजी (आर्चरी), तैराकी, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती सहित कुल सात खेलों का आयोजन किया जाएगा। इन सभी खेलों में महिला और पुरुष दोनों वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।पंजीकरण के लिए खिलाड़ियों को गांधी स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में अपना आधार कार्ड और अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

सीएमओ ने एनसीडी स्क्रीनिंग पर की बैठक

बलरामपुर। बलरामपुर में गैर संचारी रोगों (एनसीडी) की पहचान और रोकथाम के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने एक समीक्षा बैठक की। बुधवार देर शाम सीएमओ कार्यालय में हुई इस बैठक में जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एनसीडी स्क्रीनिंग कार्यक्रम की वर्तमान प्रगति, लक्ष्यों की उपलब्धि, स्क्रीनिंग में आ रही चुनौतियों और सुधार के संभावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने बताया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी गैर संचारी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। समय पर पहचान न होने पर ये गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पीएचसी पर 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से की जाए। जांच के बाद मरीजों को उचित परामर्श और फॉलोअप सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। डॉ. रस्तोगी ने स्क्रीनिंग डेटा को समय पर पोर्टल पर अपलोड करने, आवश्यक जांच उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं के नियमित वितरण को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

उन्नाव में क्रिश्चियन प्रार्थना सभा पर हंगामा

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम एक निजी मकान में चल रही क्रिश्चियन प्रार्थना सभा को लेकर हड़कंप मच गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं और मामले की जांच शुरू की। यह घटना थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहारी बाग (सिविल लाइन मोहल्ला) में हुई। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गणेश मंडपम के पास स्थित एक घर में बंद कमरे के अंदर क्रिश्चियन प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल थे। कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति के इतनी बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने को नियमों का उल्लंघन बताया और इसके पीछे धर्मांतरण की साजिश होने का संदेह व्यक्त किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने खुद को विदेश में रहने वाला बताया और भारत से सीधे संबंध न होने की बात कही, जिससे उनका संदेह और गहरा गया। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली सदर पुलिस, एलआईयू और विशेष सूचना इकाई के सदस्य तुरंत मौके पर पहुंचे।

कानपुर मेयर मंत्री की बैठक में नाराज

कानपुर। कानपुर में मेयर और भाजपा पार्षदों के विवाद को दूर करने के लिए बुधवार को सर्किट हाउस में 5 घंटे बैठक चली। बंद कमरे के अंदर प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और संगठन के पदाधिकारियों ने महापौर प्रमिला पांडेय और भाजपा के 6 पार्षदों से बातचीत की। लेकिन इस बैठक का फिर कोई नतीजा नहीं निकला। बैठक के बाद मेयर नाराज दिखी और पार्षदों ने उन्हें आश्वासन मिलने की बात बताई है। पार्षदों का कहना था कि उन्होंने प्रभारी मंत्री से नगर निगम में होने वाले भ्रष्टाचार की सारी जानकारी दी है। जिसके बाद उन्हें दो दिन में समस्या के समाधान की बात कही गई है। वहीं दूसरी ओर मेयर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। वह बोली कि इस बारे में प्रभारी मंत्री से बात करो। कानपुर नगर निगम में लगातार उठ रहे भ्रष्टाचार के मामले और मेयर के बेटे बंटी पर लग रहे आरोपों के बाद संगठन लगातार इस मामले को शांत कराने की कोशिश कर रहा है। प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बुधवार को मेयर प्रमिला पांडेय और पार्षदों के साथ सर्किट हाउस में बैठक की। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित भी मौजूद रहे। लेकिन इस बैठक में फिर कोई समाधान नहीं निकल पाया।

गवाही देने जा रहे व्यक्ति को घर में घुसकर पीटा

मैनपुरी। मैनपुरी के समनपुर गांव में गवाही देने जा रहे एक व्यक्ति पर दबंगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके घर में घुसकर मारपीट की, जिसमें पीड़ित सुरजन सिंह और उसके परिवार के सदस्य घायल हो गए। सभी घायलों को सैफई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना 3 जनवरी 2028 की शाम को हुई। सुरजन सिंह अपने घर पर मौजूद थे, तभी सलगपुर गांव के अरविंद पुत्र मिलाप सिंह, सत्यपाल पुत्र विशम्भरवल, काश सितमुरारीलाल, अरविंद पुत्र मुरारीलाल और सत्यदेव पुत्र विशम्सीगण अपने तीन-चार अज्ञात साथियों के साथ हथियारों से लैस होकर उनके घर में घुस गए। हमलावरों ने सुरजन सिंह को मुन्नालाल के मुकदमे में गवाही न देने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि यदि सुरजन सिंह ने गवाही दी, तो उसे और उसके भाई गिरंद सिंह को जान से मार देंगे। इसके बाद उन्होंने सुरजन सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी। सुरजन सिंह के चिल्लाने पर उनके भाई अनिल कुमार, पत्नी पूता देवी और राजवती बीच-बचाव करने आए।

सड़क सुरक्षा अभियान, 409 वाहनों के चालान

मैनपुरी। मैनपुरी में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक श्री गणेश प्रसाद साहा के निर्देश पर 7 जनवरी, 2026 को अपर पुलिस अधीक्षक नगर/यातायात श्री अरुण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक यातायात सुश्री दीपशिखा सिंह और यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस और थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 409 वाहनों के चालान किए गए। इनमें बिना हेलमेट और तीन सवारी के 99 चालान शामिल थे। अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए 301 चालान किए गए, और 9 तीन पहिया वाहनों पर भी कार्रवाई हुई। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 6,20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसमें 15,000 रुपये का नकद समन शुल्क भी शामिल है। यह अभियान सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

लोक गायिका ने किया सुसाइड

ललितपुर। ललितपुर में लोकगीत गायिका राधा अहिरवार की आत्महत्या के मामले का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, पैसों के लेनदेन को लेकर भांजे द्वारा प्रताड़ित किए जाने से क्षुब्ध होकर गायिका ने यह कदम उठाया था। इस मामले में आरोपी भांजे को गिरफ्तार कर लिया गया है। 35 वर्षीय लोकगीत गायिका राधा अहिरवार, जो मूल रूप से थाना जाखलौन के ग्राम मैकुवां की निवासी थीं और वर्तमान में कस्बा जाखलौन के मोहल्ला खुशीपुरा में अपने बच्चों के साथ रह रही थीं। 5 जनवरी को अपने घर में फांसी पर लटकी मिली थीं। उन्होंने अपने बेटे शिवम को फोन कर आत्महत्या करने और खुश रहने की बात कही थी, जिसके बाद बेटे के घर पहुंचने पर उनका शव मिला। पुलिस ने इस मामले में ग्राम जमुनियां निवासी नरेंद्र अहिरवार पुत्र शिवराज को गिरफ्तार किया है, जो रिश्ते में गायिका का भांजा लगता है। आरोपी को बुधवार शाम न्यायालय में पेश किया गया।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन युद्ध : रूस के सीमा क्षेत्रों में ड्रोन हमले, दो की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के बीच रूस के सीमा क्षेत्रों में ड्रोन हमलों की खबर सामने आई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेनी ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई है। ये हमले ऐसे समय पर हुए हैं, जब इस युद्ध को खत्म करने के लिए पेरिस में शांति वार्ता होने वाली है। रूस के बेलगेरोड क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव ने बताया कि एक ड्रोन ने एक कार को निशाना बनाया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और एक बच्चा समेत दो लोग घायल हुए। इसके अलावा कुर्स्क इलाके में भी एक ड्रोन हमले में एक और व्यक्ति की जान गई। वहीं, यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमलों से तीन लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को हुए रूसी मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा गारंटी से जुड़े दस्तावेजों पर बातचीत तेज हो गई है। पेरिस में यूरोपीय और अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठकें प्रस्तावित हैं।

अमेरिका में बच्चों के टीकाकरण नियमों में बड़ा बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बच्चों के टीकाकरण से जुड़ा एक बड़ा और विवादास्पद फैसला लिया है। सरकार ने हर बच्चे के लिए जरूरी माने जाने वाले टीकों की संख्या कम कर दी है। अब कुछ टीके, जैसे फ्लू वैक्सीन, परिवारों की पसंद पर छोड़ दिए गए हैं और उनके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। यह फैसला यूएस डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेस की समीक्षा के बाद लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से किसी भी बच्चे का टीकों तक पहुंच या बीमा कवरेज प्रभावित नहीं होगी। हालांकि, डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे टीकाकरण की दर घट सकती है और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह कदम तब उठाया गया, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर में आदेश दिया था कि अमेरिका के टीकाकरण नियमों की तुलना दूसरे देशों से की जाए और जरूरत हो तो बदलाव किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि टीकों पर साफ और मजबूत सरकारी मार्गदर्शन बहुत जरूरी है, ताकि बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईईडी धमाका, एक की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए आईईडी धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि धमाका सोमवार को अशांत लक्की मरवत जिले में बेगूखेल रोड पर नवारा खेल इलाके के पास हुआ। जिस वाहन को निशाना बनाया गया, उसमें एक सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारी सवार थे। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

होलोकॉस्ट के बारे में बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के यातना शिविर ऑशविट्ज से जिंदा बचीं और होलोकॉस्ट की भयावहता के बारे में बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन हो गया है। वह 96 साल की थीं। ब्रिटेन स्थित ऐनी फ्रैंक ट्रस्ट ने बताया कि ईवा का निधन शनिवार को लंदन में अपने घर में हुआ। वह, इस ट्रस्ट की मानद अध्यक्ष थीं। ईवा का जन्म 1929 में वियना में हुआ था। नाजी जर्मनी के ऑस्ट्रिया पर कब्जा करने के बाद ईवा अपने परिवार के साथ एम्स्टर्डम आ गई थीं। इसके बाद वह अपनी हमउम्र ऐनी फ्रैंक की दोस्त बनीं, जिसकी डायरी होलोकॉस्ट के सबसे चर्चित वृत्तांतों में से एक है।

चैटबॉट पर अश्लील तस्वीरें बनाने के आरोप, ब्रिटेन ने एक्स से मांगा जवाब

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार और मीडिया नियामक ऑफकॉम ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। आरोप है कि एक्स के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट ग्रोक का इस्तेमाल कर लोगों की आपत्तिजनक और बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें तैयार की जा रही हैं। ब्रिटेन ने कंपनी से इस गंभीर सुरक्षा चूक पर जवाब तलब किया है। ब्रिटिश नियामक ने स्पष्ट किया कि एआई के जरिये इस तरह की तस्वीरें बनाना या साझा करना कानूनन अपराध है। ऑफकॉम के प्रवक्ता के अनुसार, कंपनी से पूछा गया है कि वह यूजरों की सुरक्षा के लिए अपने कानूनी दायित्वों का पालन कैसे कर रही है। इससे पहले फ्रांस के मंत्रियों ने भी एक्स की इस सेवा को स्पष्ट रूप से अवैध बताते हुए इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। इधर, विवाद बढ़ता देख ग्रोक ने स्वीकार किया कि सुरक्षा घेरे में खामियों की वजह से ऐसी तस्वीरें बनी हैं, जिन्हें अब तेजी से सुधारा जा रहा है।

ईरान में और भड़की विरोध प्रदर्शनों की आग; अब तक 35 की मौत, सैंकड़ों हिरासत में

तेहरान, एजेंसी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों की आग और उग्र होती जा रही है। देश में खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सैंकड़ों लोगों को हिरासत में ले लिया गया है लेकिन इन प्रदर्शनों के थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को हस्तक्षेप की चेतावनी दी है और अमेरिका खामेनेई की सत्ता गिराने के लिए मौके की तलाश में है।

अमेरिका की 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि एक सप्ताह से अधिक समय से जारी इन प्रदर्शनों के दौरान 1,200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और ईरान के सुरक्षाबलों के दो सदस्य शामिल हैं। एजेंसी के मुताबिक ईरान के 31 में से 27 प्रांतों के 250 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने सोमवार देर रात बताया कि प्रदर्शनों के दौरान लगभग 250 पुलिसकर्मी और 'बसीज' बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

मौके की तलाश में अमेरिका : मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ यह आशंका भी जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान में जल्द ही हस्तक्षेप कर सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान शांतिपूर्वक विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करता है तो अमेरिका 'उन्हें बचाने के लिए आगे आएगा। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं और अगर करेंगे तो किस तरह करेंगे, लेकिन उनके बयानों को लेकर ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। ईरानी अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी है।

दावा- ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई रूस भागने की फिराक में : ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच रूस भागने की योजना तैयार कर ली है। अगर प्रदर्शनों को रोका नहीं जा सका, तो खामेनेई देश छोड़ देंगे। ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स' को मिली एक खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 86 साल के खामेनेई अपने बेटे और उत्तराधिकारी मुजतबा समेत करीब 20 लोगों के छोटे दल के साथ तेहरान छोड़ सकते हैं। ईरान में आठ दिन से खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 78 शहरों के 222 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। इनमें कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से तीन बच्चे हैं। वहीं, 44 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है।

देश छोड़ने के लिए पहले से तैयार खामेनेई : खामेनेई कई चैरिटेबल फाउंडेशनों के जरिए अरबों डॉलर की संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं। इनमें 'सेताद' नाम की संस्था प्रमुख है, जिसकी वैल्यू पहले भी कई अरब डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शासन से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार पहले से ही अमेरिका, कनाडा और खाड़ी देशों में रह रहे हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत विदेशों में संपत्तियां, प्रॉपर्टी और कैश पहले से सुरक्षित कर लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत देश छोड़ा जा सके।

प्रदर्शनकारियों को लेकर हमले की चेतावनी दे चुका अमेरिका : पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की गई तो अमेरिका कड़ी प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हम पूरी तरह तैयार हैं। अगर ईरान ने पहले की तरह लोगों को मारना शुरू किया, तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ॥ऋ्क्ष और ओस्लो स्थित हेंगाव ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा बलों ने आम नागरिकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें बच्चों को भी नहीं बख्शा गया।

देशभर में फैले इन प्रदर्शनों की शुरुआत ईरानी मुद्रा के गिरने और महंगाई बढ़ने के बाद हुई। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और शासन परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। वहीं, ईरान की सरकारी फर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों में 250 पुलिसकर्मी और बसीज बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

ईरान की 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' भी कमजोर पड़ी : ईरान के सहयोगी देशों और गुटों की स्थिति कमजोर हुई है। 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध के बाद हमास को भारी नुकसान हुआ है। लेबनान की हिजबुल्ला के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं। दिसंबर 2024 में सीरिया के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाया गया।

जापान में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता; जानमाल का नुकसान नहीं

टोक्यो, एजेंसी। जापान एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों से सहम गया है। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता मापी गई। सूचना के अनुसार अभी तक किसी तरह से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। मंगलवार को पश्चिमी जापान में एक शक्तिशाली भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार प्रारंभिक तीव्रता 6.2 वाले इस भूकंप का केंद्र उत्तर पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में था। भूकंप के झटकों से मात्सुए प्रांत की राजधानी और आसपास के शहर, जिनमें पड़ोसी तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर भी सहम गए।

एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र तट से लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर स्थित था, और साथ ही यह भी कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप से किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि शिमामे परमाणु ऊर्जा संयंत्र और क्षेत्र में स्थित एक संबंधित सुविधा में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। जापान तथाकथित प्रशांत अग्नि-वलय क्षेत्र में स्थित है, जो दुनिया के सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक है। भूकंप के बाद बिजली आपूर्ति में दिक्कत आने के कारण पश्चिमी जापान में बुलेट ट्रेन सेवाओं को भी रोक दिया गया। जेआर वेस्ट के अनुसार, सान्यो शिंकानसेन लाइन सेवाएं ओकायामा और हिरोशिमा स्टेशनों के बीच रोक दी गई हैं। रेलवे कंपनी के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजे तक सेवाएं फिर से शुरू होने की उम्मीद है। क्योडो न्यूज ने बताया कि लाइन के अन्य हिस्सों में देरी हो रही है। इससे पहले, पिछले साल 31 दिसंबर को भी जापान के उत्तरी हिस्से में इवाते प्रांत के तट के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था। यह भूकंप इवाते के पूर्वी तट से लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसकी तीव्रता इवाते के मोरिओका शहर में जापान के 7-पॉइंट भूकंपीय पैमाने पर 4 मापी गई। उस भूकंप का केंद्र लगभग 40.1 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.9 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। उस समय भी सुनामी को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला; बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है। शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था।

कल ही एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या : 5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर' अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

लेबनान के कई इलाकों में इस्राइल का ड्रोन हमला, निरस्त्रीकरण बैठक से पहले हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई

लेबनान , एजेंसी। इस्राइल की वायुसेना ने मंगलवार लड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों पर हमला किया, जिसमें देश का तीसरा सबसे बड़ा शहर सीदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में दक्षिणी तटीय शहर सीदोन में एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत ध्वस्त हो गई।

यह घटना लेबनान के सेना कमांडर की ओर से इस्राइल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के अपने मिशन पर सरकार को जानकारी देने से कुछ दिन पहले हुई। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने बताया कि यह इलाका एक व्यावसायिक जिले में था, जिसमें वर्कशॉप और मैकेनिक की दुकानें थीं और इमारत में कोई नहीं रहता था। इस हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। बचाव दल घटनास्थल पर अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे, लेकिन तत्काल किसी की मौत की जानकारी सामने नहीं आई। वहीं, सोमवार को इजरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में कई ठिकानों पर हमला किया। उनका कहना था कि इन ठिकानों पर हिज्बुल्लाह और हमास जैसे आतंकवादी समूहों का बुनियादी ढांचा मौजूद था।

ये हमले इस्राइल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई की ओर से एक्स पर चेतावनी पोस्ट करने के लगभग दो घंटे बाद हुए। इस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीनी हमास समूहों के ठिकानों पर हमला करेगी। सीदोन में हुआ बाद का हमला बिना किसी पूर्व सूचना के किया गया था और इस्राइली सेना ने इस पर तुरंत कोई बयान जारी नहीं किया। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि बेका घाटी के मनारा गांव में जिस घर पर हमला हुआ, वह हमास के सैन्य कमांडर शरहाबिल अल-सैयद का था। जो मई 2024 में एक इस्राइली ड्रोन हमले में मारा गया था।

इस्राइल की चेतावनी के बाद इलाकों को खाली करा लिया गया था और इन हमलों में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सोमवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार सुबह दक्षिणी गांव ब्राईकेह में एक कार पर हुए ड्रोन हमले में दो लोग घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा कि हमले में हिजबुल्लाह के दो सदस्यों को निशाना बनाया गया था।

लेबनानी सेना ने पिछले साल फिलिस्तीनी समूहों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी, जबकि सरकार ने कहा कि 2025 के आखिर तक इस्राइल की सीमा से सटे सभी क्षेत्र हिजबुल्लाह की सशस्त्र मौजूदगी से मुक्त हो जाएंगे। लेबनानी सरकार गुरुवार को एक बैठक में हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने वाली है, जिसमें सेना कमांडर जनरल रुडोल्फ हायकल भी शामिल होंगे। सोमवार को हुए हवाई हमले लिटानी नदी के उत्तर में स्थित गांवों में हुए जो इस्राइल की सीमा से काफी दूर हैं।

'मुझे नहीं दिखता कार्रवाई का खतरा', ट्रंप की धमकी के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति शीनबाम का बड़ा बयान

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बाद कई देशों पर इसी तरह की कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। इस बीच मेक्सिकन सरकार और विश्लेषकों ने मेक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ एकतरफा अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज कर दिया है।

उनका कहना है कि मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम का प्रशासन वॉशिंगटन की मांगों का पालन कर रहा है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। कई लोगों को उम्मीद है कि मेक्सिको

से और अधिक रियायतें हासिल करने के लिए इस तरह की और धमकियां दी जाएंगी।

'मुझे नहीं दिखता कोई जोखिम', बोलीं शीनबाम : हालांकि, ट्रंप की ओर से कोई अप्रत्याशित कदम उठाने की संभावना से पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बीच सोमवार को शीनबाम ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को कम करके आंका। उन्होंने कहा, 'मुझे इसमें कोई जोखिम नहीं दिखता। अमेरिका सरकार के साथ समन्वय और सहयोग है।' उन्होंने कहा, 'मुझे हमले की संभावना पर विश्वास नहीं है, मुझे तो यह भी विश्वास नहीं है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। विदेशी सैन्य हस्तक्षेप से संगठित अपराध का समाधान नहीं होता।'

मेक्सिको क्यों नहीं है वेनेजुएला : दरअसल, मेक्सिको की स्थिति वेनेजुएला या अमेरिका की धमकियों की जद में आए क्यूबा जैसे देशों से बिल्कुल अलग है। पहली बात तो यह है कि शीनबाम एक लोकप्रिय और वैध रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति हैं। दूसरा मेक्सिको अमेरिका का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। एक ऐसा देश जहां 4 करोड़ मेक्सिकन रहते हैं। तीसरा अमेरिका में पूर्व मेक्सिकन राजदूत मार्था बार्सेना ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मेक्सिको के साथ उच्च स्तरीय सहयोग को स्वीकार किया है।

'मैं किडनैप किया गया राष्ट्रपति और एक युद्ध बंदी हूं', अमेरिकी अदालत में बोले मादुरो

न्यूयॉर्क , एजेंसी। वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो, जिन्हें अमेरिका ने पकड़कर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के आरोपों में मुकदमे के लिए न्यूयॉर्क लाया है, ने एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश के सामने कहा कि वह निर्दोष हैं और खुद को 'युद्ध बंदी' मानते हैं। सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें पहली बार अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान उन्होंने एक ट्रांसलेटर के जरिए कहा, 'मैं एक किडनैप किया गया राष्ट्रपति हूं। मैं एक युद्ध बंदी हूं।' अमेरिका की डेल्टा फोर्स के जवानों ने शनिवार सुबह एक सटीक सैन्य अभियान में वेनेजुएला के एक सैन्य अड्डे से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लिया और हवाई जहाज से न्यूयॉर्क ले आए।

अदालत में हुई यह सुनवाई औपचारिक थी। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी दोनों ने 25 पन्नों की चार्जशीट में लगाए गए सभी आरोपों को गलत बताया और खुद को निर्दोष बताया। मादुरो ने कहा, 'मैं निर्दोष हूं। मैंने कोई अपराध नहीं किया है। मैं एक सभ्य व्यक्ति हूं और आज भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।' सिलिया फ्लोरेस ने भी अदालत से कहा, 'मैं वेनेजुएला गणराज्य की प्रथम महिला हूं।'

जब मादुरो ने अपने अपहरण की बात शुरू की, तो न्यायाधीश एल्विन हेलरस्टीन ने उन्हें रोकते हुए कहा कि उन्हें अदालत के सामने सिर्फ अपनी पहचान बतानी है। मादुरो के वकील बैरी पोलॉक ने अदालत में कहा कि वह यह सवाल उठा सकते हैं कि किसी देश के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कानूनी है या नहीं, क्योंकि उन्हें संप्रभु सुरक्षा (इम्युनिटी) मिलनी चाहिए, और यह भी कि उनका सैन्य तरीके से

पकड़ा जाना कितना वैध है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि मादुरो को लाने की कार्रवाई कानून लागू करने की प्रक्रिया थी, न कि कोई युद्ध। मादुरो और फ्लोरेस को एक संघीय हिरासत केंद्र में रखा गया है, जिसकी हालत को लेकर खुद जज भी आलोचना कर चुके हैं। कभी सख्त शासन करने वाले मादुरो अब आम कैदी की तरह दिख रहे थे। उन्होंने साधारण कपड़े पहन रखे थे और उनके साथ सुरक्षाकर्मी थे। अदालत कक्ष में प्रवेश करते समय, अमेरिकी मार्शलों से घिरे मादुरो ने सभी को स्पेनिश में 'ब्यूनस डियास', यानी 'शुभ दिन' कहा। सिलिया फ्लोरेस के माथे पर पट्टी बंधी हुई थी। उनके वकील मार्क डॉनेली ने बताया कि अमेरिकी बलों द्वारा पकड़े जाने के समय उन्हें चोट लगी थी और उनकी कुछ पसलियां टूट सकती हैं। मादुरो और फ्लोरेस पर पर मुख्य आरोपों में नार्को-टेररिज्म की साजिश शामिल है, जिसमें कथित तौर पर वेनेजुएला की सेना और खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल करके कोकीन की खेप को अमेरिका में तस्करी करने का आरोप है। इसी कारण उन पर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद की साजिश का आरोप लगाया गया है।

इन आरोपों को मजबूत करने के लिए, उन पर मशीनगन और खतरनाक हथियार रखने के भी आरोप लगाए गए हैं।

न्यू जर्सी विशेष चुनाव : भारतीय-अमेरिकी समुदाय से समर्थन की अपील के साथ चुनावी मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार

वाशिंगटन, एजेंसी। काउंटी कमिश्नर और वोटिंग राइट्स अटॉर्नी जॉन बार्टलेट न्यू जर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से होने वाले विशेष चुनाव में चुनाव लड़ रहे हैं। जॉन बार्टलेट सीधे तौर पर भारतीय मूल के अमेरिकी मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनका इस समुदाय से निजी और राजनीतिक दोनों तरह का जुड़ाव है और वह उनकी समस्याओं को समझते हैं। जॉन बार्टलेट ने बताया कि यह विशेष चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि मौजूदा सांसद मिकी शेरिल न्यू जर्सी की गवर्नर चुनी गई हैं, जिससे यह सीट खाली हो गई। उन्होंने कहा, '5 फरवरी को हमारा एक विशेष चुनाव होने वाला है, और हममें से एक दर्जन लोग डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव लड़ रहे हैं। मैं उन उम्मीदवारों में से एक हूं। मैं यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस में इस डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने का मौका चाहता हूं।' भारतीय अमेरिकी समुदाय से अपने रिश्ते पर बात करते हुए बार्टलेट ने आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया कि शादी के कारण वह इस समुदाय का हिस्सा हैं। उनकी पत्नी डॉक्टर कैथी जोशी भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। उन्होंने कहा कि पत्नी के जरिए उन्होंने भारतीय संस्कृति और समुदाय के बारे में बहुत कुछ सीखा है। वह भारत भी कई बार जा चुके हैं और उत्तरी न्यू जर्सी में रहने वाले भारतीय अमेरिकियों से उनका लगातार संपर्क रहा है। पैसिक काउंटी में एक काउंटी कमिश्नर के तौर पर, बार्टलेट ने कहा कि उन्होंने अप्रवासी समुदायों को शामिल करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने खास तौर पर भाषा की सुविधा पर ध्यान दिया। 2020 की जनगणना के दौरान लोगों तक जानकारी सिर्फ अंग्रेज़ी और स्पेनिश में ही नहीं, बल्कि अरबी, हिंदी और बंगाली में भी पहुंचाई गई। उनका कहना है कि जब सभी की गिनती होती है, तभी उन समुदायों को सही संसाधन मिल पाते हैं। बार्टलेट ने न्यू जर्सी के 11वें डिस्ट्रिक्ट को राज्य के कुछ सबसे प्रमुख भारतीय अमेरिकी समुदायों का घर बताया, जिसमें पार्सिपेनी, लिविंगस्टन, शॉर्ट

हिल्स, रैंडोल्फ और वेन शामिल हैं। उन्होंने कहा, '11वां डिस्ट्रिक्ट 12 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी है, और उनमें से आधे से ज्यादा भारतीय अमेरिकी हैं। यहां अलग-अलग पीढ़ियों, पेशों और अनुभवों वाले परिवार रहते हैं। उनका कहना है कि इस इलाके के भारतीय अमेरिकी परिवारों को वीज़ा और इमिग्रेशन से जुड़ी दिक्कतों, नस्लीय और धार्मिक भेदभाव, और बढ़ती महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बार्टलेट ने कहा कि वह चाहते हैं कि इन समुदायों की बात अंदर से समझने वाला और उनकी समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने वाला प्रतिनिधि उन्हें मिले।

करीब 25 साल से मतदान अधिकारों के वकील रहे जॉन बार्टलेट का कहना है कि वह ऐसे समय में कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं, जब नागरिक अधिकारों और लोकतंत्र पर खतरे बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर नागरिक अधिकारों और मतदान अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 2028 का राष्ट्रपति चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रहे, इसके लिए सही लोगों का चुना जाना जरूरी है। बार्टलेट ने यह भी कहा कि कम मतदान वाले विशेष चुनाव में भारतीय अमेरिकी मतदाताओं की भागीदारी बहुत अहम है। उन्होंने कहा, 'एक स्पेशल चुनाव में, अगर आप अपने बेस और अपने समर्थकों को वोट डालने के लिए लाते हैं, तो आप जीतने वाले उम्मीदवार होंगे।' उन्होंने भारतीय अमेरिकियों से जल्दी मतदान, डाक से मतदान या 5 फरवरी को वोट डालने की अपील की। नीतियों की बात करें तो बार्टलेट ने स्वास्थ्य सेवा, इमिग्रेशन और भारत-अमेरिका रिश्तों को अहम बताया। उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य सेवा विकल्प को फिर से शुरू करने की बात कही और उन नीतियों की आलोचना की, जिनसे परिवारों पर खर्च का बोझ बढ़ा है।

उन्होंने टैरिफ और वीज़ा पाबंदियों को भी गलत बताया, जिनसे भारतीय अमेरिकी कारोबार और परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एडिसन की ओकट्री रोड और जर्सी सिटी की न्यूआर्क एवेन्यू जैसे इलाकों पर इन नीतियों का सीधा असर पड़ा है। भारत को अमेरिका के लिए दुनिया के सबसे अहम साझेदारों में से एक बताते हुए बार्टलेट ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों के रिश्तों को और मजबूत करने की जरूरत है, न कि ऐसी नीतियां बनाने की, जो इमिग्रेशन और व्यापार को मुश्किल बनाएं। उन्होंने कहा, '5 फरवरी को यह चुनाव भारतीय अमेरिकी समुदाय के लिए अपनी ताकत दिखाने, अपना राजनीतिक प्रभाव दिखाने और कुछ सच में खास करने का एक मौका है।

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

भोपाल (एजेंसी)। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज़ जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ICC से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टेस्ट-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप C के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को ESPNCricinfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCB की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है।

यह फैसला दोनों बॉडीज़ के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ICC ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने BCB से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, BCB सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।

यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और BCB के बीच तनाव में तेज़ी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज़ कर दिया गया था। BCCI ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण 'चारों ओर के घटनाक्रम' बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, BCB ने स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ICC को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें BCB के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ICC इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का ज़िक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले IPL सीज़न के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर ज़ोर

देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं।

इस बीच, मुस्तफिजुर तेज़ी से आगे बढ़ गए हैं, IPL से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ICC का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और BCB ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य्, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे।

ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

सिडनी (एजेंसी)। एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकेब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं।

चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15

चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना

स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।'

अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी । भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

मलेशिया ओपन: पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

चोट के बाद दमदार वापसी

सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया

और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अगली चुनौती: टोमोका मियाजाकी

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी बाहर

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टीम20 विश्वकप में भारतीय हालातों के अनुभवों का लाभ मिलेगा : डीकॉक

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक की नजरें अब अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट पर लगी हैं। डीकॉक ने कहा है कि उन्हें भारतीय हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा मैंने कई बार भारत का दौरा किया है, ऐसे में अगर मुझे सफलता नहीं मिली तो इसमें कोई गलती होगी। संन्यास से वापसी करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बिना किसी मानसिक दबाव के उतरते हैं जिसका लाभ उन्हें मिलता रहा है। डीकॉक ने टेस्ट और एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की थी। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप से बाहर रहे हैं जिससे उनके करियर पर सवाल उठते रहे हैं। डीकॉक ने यहां एसए20 मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के दबाव के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।

भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा : गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है। गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

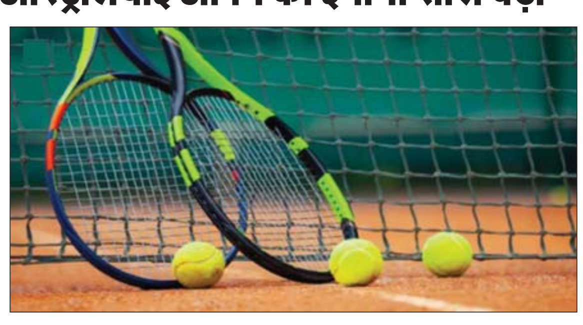

मेलबर्न । 18 जनवरी से शुरु होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले आयोजकों ने इसकी इनामी राशि बढ़ा दी है। इसकी पुरस्कार राशि 16 फीसदी बढ़ाई गई है। ऐसे में अब कुल इनामी राशि बढ़कर 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (तकरीबन 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहुंच गई है। यह अब तक की इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। अब पुरुष और महिला एकल वर्ग में जीतने वालों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पुरस्कार राशि दी जाएगी। ये पिछले साल 2025 की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। वहीं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 16 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। इस कदम से सभी प्रतियोगियों को लाभ मिलने के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए आयोजकों ने सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरुरी इंतजाम किये हैं। आयोजकों का माना है कि पुरस्कार राशि बढ़ने से इस टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ेगा।

डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का हुंकार, 'फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं'

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) - इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम - नए सीज़न में पूरी तरह से तैयार है और 9 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में जीत दिलाने वाली एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर उसी प्रेरणा को बरकरार रखते हुए लीग खिताब को बरकरार रखना चाहती हैं।

हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस की प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब भी मैं मैदान पर जाती हूं, मैं अपनी टीम से कहती हूं कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। यह नया साल डब्ल्यूपीएल से शुरू हो रहा है, और टूर्नामेंट में उतरने को लेकर मुझमें वही ऊर्जा और उत्साह है। हमारी सोच एक जैसी है। हमने पिछले तीन सीज़न में दो ट्रॉफियां जीती हैं। और हम इस सीज़न में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में यह मेरी पहली नौकरी है, और मुझे लगता है कि यह शहर मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि जब भी मुझे यहां खेलने का मौका मिलता है, मुझे हमेशा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह सीजन भी बहुत खास होने वाला है। मुझे बहुत खुशी है कि पिछला सीजन और पिछला साल महिला क्रिकेट के लिए कुल मिलाकर बहुत अच्छा रहा। मुझे उम्मीद है कि इस साल की शुरुआत भी इसी तरह होगी।

इस बार, टीम दो बार की विश्व कप विजेता लीसा कीथली से भी प्रेरणा लेने की उम्मीद करेगी, जो मुंबई इंडियंस के साथ अपने पहले महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन में कप्तानी संभाल रही हैं। लीसा ने महिला कोचों से बनी टीम के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह मुंबई इंडियंस की विचारधारा और नीता एम. अंबानी के खेल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण को कैसे दर्शाता है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा किमहिला कोचों का पूरा पैनल होना मेरे लिए वाकई रोमांचक और एक नया अनुभव है। हम समर्थकों और दुनिया भर की महिलाओं को कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं को देखने का अवसर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से, मैं इसे और अधिक बार देखना चाहूंगी और मुझे लगता है कि अगले 10 वर्षों में आप इसे देखेंगे।

वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल कच्चा तेल देगा

ट्रंप बोले- बिक्री का पैसा मेरे नियंत्रण में रहेगा

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा तेल सौंपेगी। यह तेल फिलहाल प्रतिबंधों के दायरे में है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर की। उनके मुताबिक, अमेरिका इस तेल को बाजार भाव पर बेचेगा और बिक्री से मिलने वाली राशि राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका दोनों देशों के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि तेल की सप्लाई तुरंत शुरू की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। योजना के तहत तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए अमेरिका लाया जाएगा और सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारा जाएगा। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत करीब 56 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इस हिसाब से 30 से 50 मिलियन बैरल का यह सौदा लगभग 2.8 अरब डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिका रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल तेल की खपत करता है, ऐसे में वेनेजुएला से मिलने वाला यह तेल लगभग ढाई दिन की जरूरत के बराबर होगा। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में प्रमुख तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह घोषणा उस सैन्य कार्रवाई के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 24 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई। अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने ट्रंप के बयानों का विरोध किया है, जबकि अमेरिका में डेमोक्रेट पार्टी ने इस कार्रवाई की आलोचना की है।

टाटा, जेएसडब्ल्यू और सेल पर स्टील कीमत तय करने का आरोप

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में पता चला है कि टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल ने आपस में मिलकर स्टील की कीमतें तय की। यह कदम भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के खिलाफ माना गया है। आयोग ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर कंपनियों से जवाब और वित्तीय विवरण मांगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, सीसीआई ने अभी तक कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कंपनियों की आपत्तियों और सुझावों को सुना जाएगा, और फिर ही आयोग अंतिम फैसला लेगा। अगर कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है, तो उसकी गणना वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी। टाटा स्टील और सेल ने उक्त मामले में अभी कोई प्रेतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई ने 2021 से स्टील क्षेत्र में गोलबंदी और कीमत तय करने की गतिविधियों की जांच शुरू की थी। पिछले साल केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि स्टील और सीमेंट उद्योग में सांठगांठ देश और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए गंभीर समस्या है।

एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में तेजी, 5 फीसदी तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) की बिक्री में 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम मुद्रास्फीति, नकारात्मक खाद्य मुद्रास्फीति और उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी से एफएमसीजी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 18 महीनों के सुस्त प्रदर्शन के बाद अगस्त से अक्टूबर की अवधि में एफएमसीजी बिक्री में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि है और पिछली तिमाही व पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम से कम एक प्रतिशत अंक अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में बिक्री 4.2 प्रतिशत बढ़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड से पहले एफएमसीजी उत्पादों के लिए 139 गुना खरीदारी कर रहा था। कोविड महामारी के पहले वर्ष के दौरान यह आंकड़ा घटकर 130 रह गया। तब से यह 2024 और 2025 में बढ़कर 157 हो गया है। यह महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आवश्यक श्रेणियों में कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खरीदार हर खरीदारी पर दस रुपये अतिरिक्त दे रहे हैं। इसके अलावा, वस्तु एवं सेवा कर दरों में कटौती से ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड उत्पादों के बीच अंतर कम होने की उम्मीद है।

यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया होंगे एक!

- प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ

मुंबई ।

सरकार ने एक बार फिर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के संभावित विलय पर विचार शुरू कर दिया है। यह प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ है लेकिन कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि वित्त मंत्रालय इस बड़े कदम पर गंभीरता से काम कर रहा है, जिससे बैंकिंग सेक्टर को मजबूती मिल सके और प्रतिस्पर्धा बढ़े।

अगर यह विलय लागू होता है, तो नई इकाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक बन जाएगी। इससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी, पूंजी शक्ति और नेटवर्क में वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम 2017-2020 के दौरान सरकारी बैंकों के बड़े विलयों की दूसरी लहर की तरह माना जा रहा है, जब 27 बैंकों को 12 में संकरा गया था।

अब फिर से ऐसे मर्जर 2.0 पर चर्चा तेज हुई है, जिसमें कुछ बैंकों के बहुमत का विलय या पुनर्गठन हो सकता है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि विलय से बैंक की वित्तीय स्थिति और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बेहतर होगी, जबकि बैंक कर्मचारी संघों ने चेतावनी दी है कि इससे ग्रामीण सेवाओं और स्थानीय पहुंच पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

हालांकि संसद में वित्त राज्य मंत्री ने बताया है कि इस समय कोई आधिकारिक मर्जर प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, लेकिन प्रारंभिक चर्चा और रणनीति तैयार की जा रही है।

आरबीआई ने बैंकों के डिविडेंड पर कड़े नियम जारी किए

बैंक तभी डिविडेंड देंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय स्थिरता मजबूत करने के लिए बैंकों द्वारा डिविडेंड भुगतान पर नए और सख्त नियमों का मसौदा जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि बैंक मुनाफा बांटने से पहले अपनी पूंजी पर्याप्तता और परिसंपत्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करें और भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए संसाधन सुरक्षित रखें। ये नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों और भारत में काम करने वाले विदेशी बैंकों पर लागू होंगे। हालांकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और पेमेंट बैंक फिलहाल इस दायरे से बाहर हैं। बैंक केवल तब डिविडेंड दे पाएंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे। घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों को अतिरिक्त पूंजी बफर बनाए रखना अनिवार्य होगा।

डिविडेंड देने के बाद भी बैंक का पूंजी अनुपात निर्धारित सीमा से नीचे नहीं जाना चाहिए। अब बैंक डिविडेंड के लिए समायोजित कर पश्चात लाभ दिखाएंगे। इसमें शुद्ध एनपीए घटाने के बाद भी लाभ सकारात्मक होना जरूरी है। विदेशी शाखाओं वाले बैंक भी तभी अपने देश में मुनाफा भेज पाएंगे। यदि कोई बैंक इन शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो उसे डिविडेंड देने या मुनाफा विदेश भेजने की अनुमति नहीं होगी। आरबीआई के दिशा-निर्देशों या कानून का उल्लंघन करने पर बैंक पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

लेनोवो का भारत में अगले तीन साल में कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य

- वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा

लास वेगास । लेनोवो (एशिया प्रशांत) के एक अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अगले तीन वर्षों में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करना चाहती है। इस वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा। मोटोरोला व्यवसाय पिछले दो वर्षों में राजस्व दोगुना से अधिक बढ़ा। बुनियादी ढांचा और सेवाओं का कारोबार उच्च दोहरे अंकों की दर से बढ़ रहा है। कंपनी का दृष्टिकोण है कि यह वृद्धि जारी रहे और अगले तीन वर्षों में लक्ष्य पूरा हो। लेनोवो भारत में अपने मुख्य सर्वरों का निर्माण कर रही है। मोटोरोला फोन के लिए सॉफ्टवेयर का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। कंपनी भारत, भारत के लिए और भारत, दुनिया के लिए नीति को आगे बढ़ाएगी। भर्ती संख्या साझा नहीं की गई, लेकिन संसाधन समय से पहले जोड़ने की योजना है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हुआ, डिजिटलीकरण, प्रीमियम उत्पादों की मांग और जीएसटी सुधारों का लाभ मिला।

सीएमएस को एसबीआई से मिला 1000 करोड़ का ठेका

मुंबई । सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने भारतीय स्टेट बैंक से 5000 एटीएम प्रबंधन का 1,000 करोड़ रुपये का 10 साल का ठेका हासिल किया है। अनुबंध में प्रबंधित सेवाएं, नकदी दक्षता सुधार और एटीएम कार्यक्षमता बढ़ाना शामिल है। कंपनी के मुख्य व्यापार अधिकारी अनुष राघवन ने कहा कि इससे राजस्व में 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। इस कदम से लाखों ग्राहकों को स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली स्व-सेवा बैंकिंग सुविधा मिलेगी।

भारत को चांदी आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता- जीटीआरआई

- जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत वर्तमान में चांदी के आयात में अत्यधिक निर्भर है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश ने 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर का चांदी आयात किया, जबकि निर्यात केवल 47.84 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। 2025 में यह आयात और तेज़ी से बढ़ा, अक्टूबर में 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर और नवंबर में 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ। जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और पूरे वर्ष का अनुमान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। विश्व में चांदी प्रसंस्करण में चीन सबसे बड़ा केंद्र है। चीन 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर के चांदी अयस्क और सांद्रण का आयात करता है, जिसमें से 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात ही देश के भीतर प्रसंस्कृत किया जाता है। इसके बाद यह उच्च मूल्य वाले उत्पादों इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और चिकित्सा उपकरणों में परिवर्तित होकर निर्यात होता है। टीआरआई के एक अे धिकारी का कहना है कि भारत को चांदी को केवल कीमती धातु नहीं, बल्कि औद्योगिक और ऊर्जा धातु के रूप में अपनाना चाहिए। इसके लिए घरेलू शोधन एवं पुनर्चक्रण क्षमता बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना आवश्यक है। दीर्घकालिक खनन साझेदारियों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित करना भी जरूरी है। वैश्विक चांदी की लगभग 55-60 प्रतिशत मांग औद्योगिक क्षेत्रों में है। विशेषकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और चिकित्सा उपकरणों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। सौर फोटोवोल्टिक सेल्स में कंडक्टिव पेस्ट के रूप में चांदी दक्षता बढ़ाने में मदद करती है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक टूटकर 84,961.14 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.95 अंक नीचे आकर 26,140.75 पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान लार्जकैप में गिरावट रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 276.15 अंक ऊपर आकर 61,424.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 70.65 अंक नीचे आकर17,958.50 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल आधार पर , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फार्मा और निफ्टी इंडिया डिफेंस तेजी के साथ बंद हुआ।दूसरी ओर निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कमोडिटीज की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, सन फार्मा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एलएंडटी के शेयर उछले जबकि पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआई, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, इंडिगो के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली के साथ ही विदेशी निवेशकों के सतर्कता बरतने से बाजार नीचे आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली, लेकिन ऑटो और फाइनेंशियल सेक्टर में मुनाफावसूली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स बड़ी गिरावट के साथ 84,620 के स्तर पर खुला। । वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 26,143 अंक पर खुलने के बाद निफ्टी 33.70 अंक की कमजोरी के साथ

26,145 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं एशिया के शेयर बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार देखा गया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स, एसएंडपी 200 इंडेक्स 0.38 फीसदी बढ़ा, क्योंकि नवंबर में महंगाई दर घटकर 3.4 फीसदी रही, जो अक्टूबर के 3.8 फीसदी से कम और बाजार के अनुमान से नीचे थी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.89 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.45 फीसदी गिर गया। वहीं एशियाई कारोबार के दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों के फ्यूचर्स में ज्यादा बदलाव नहीं दिखा। अमेरिका की वेनेजुएला में हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे एसएंडपी 500 और डाउ जोंस नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। इस दौरान एसएंडपी 500 में 0.62 फीसदी, डाउ जोंस में 0.99 फीसदी और नैस्डैक में 0.65 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

एलआईसी ने पेश की नई लाइफटाइम इंश्योरेंस स्कीम व रिवाइवल ऑफर

- योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने नए साल की शुरुआत में अपनी नई पॉलिसी जीवन उत्सव सिंगल प्रीमियम लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी। यह नॉन-लिंक्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग पॉलिसी है, जिसमें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं। ग्राहक केवल एक बार प्रीमियम जमा करेंगे और जीवनभर का बीमा कवर पाएंगे। यह पॉलिसी बचत और बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती है। एलआईसी ने लैप्स हुई पॉलिसियों के लिए भी विशेष ऑफर पेश किया है। इसमें लेट फीस पर 30 फीसदी तक की छूट (अधिकतम 5,000 रुपए) दी जाएगी। लाभार्थी वे ग्राहक होंगे जिनकी पॉलिसी बकाया प्रीमियम की तारीख से पांच साल के भीतर बंद हुई हो, और इसमें माइक्रो इंश्योरेंस व नॉन-लिंक्ड प्लान शामिल हैं। मेडिकल छूट नहीं मिलेगी। एलआईसी के अनुसार पुरानी पॉलिसी को चालू रखना नई पॉलिसी लेने से अधिक फायदेमंद है, क्योंकि पुराने बोनस और बीमा कवर का लाभ निरंतर मिलता रहता है।

भारत ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, व्यापारिक राहत की उम्मीद

क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की

नई दिल्ली ।

भारत ने हाल ही में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) को वापस लेना शुरू किया है, जिसे उद्योग जगत ने राहत और कुछ क्षेत्रों में तारीफ के साथ स्वागत किया। यह कदम उन नीतियों को पलटने की दिशा में पहला संकेत है जिन्होंने उत्पादन और निर्यात को प्रभावित किया। वस्त्र, इस्पात और रसायन उद्योग में कच्चे माल की आपूर्ति सबसे अधिक बाधित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की। विश्लेषकों का कहना है कि क्यूसीओ को वापस लेना केवल हानि नियंत्रण है, इसे सुधार या नीति सफलता नहीं मानना चाहिए। यह घटना भारत की आर्थिक शासन प्रणाली में गहराई से मौजूद समस्या, अंदरूनी हस्तक्षेप और समय पर नुकसान की पहचान में देरी का संकेत देती है। इससे नीतियों को अक्सर बाद में पलटना पड़ता है। क्यूसीओ सिर्फ एक उदाहरण हैं। इसी तरह जीएसटी संरचना और रुपये की सॉफ्ट-पेगिंग जैसी नीतियाँ भी समय के साथ संशोधित की गईं।

नीति का अचानक विस्तार और तत्काल पलटना यह दर्शाता है कि नीति निर्माण में समन्वय और स्थायित्व की कमी है। क्यूसीओएस ने विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों पर असर डाला। उदाहरण के लिए, वस्त्र और परिधान उद्योग में पॉलिएस्टर और विस्कॉस के आयात में गिरावट आई, जिससे कंपनियों को महंगे घरेलू विकल्प अपनाने पड़े और उत्पादन प्रभावित हुआ। नवंबर 2025 से उनका क्रमिक निरस्तीकरण शुरू हुआ, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में सहजता लौट रही है।

बैंकों में सेल्स स्टाफ की भर्ती में बढ़ोतरी, व्यवसाय पक्ष पर जोर

नई दिल्ली ।

बैंकों में हाल के महीनों में सेल्स स्टाफ की नियुक्तियों में तेजी आई है। टीम लीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने पिछले छह महीनों में भर्ती में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव सतर्क भर्ती माहौल से सक्रिय भर्ती रणनीति की ओर संकेत करता है। भर्ती का अधिकांश ध्यान आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण जैसे सुरक्षित और बढ़ते खंडों पर रहा, जबकि रिकवरी खंड में नियुक्तियां कम रही। टीमलीज सर्विसेज के एक अे धिकारी ने बताया कि मझोले निजी बैंक और एनबीएफसी छोटे और मझोले शहरों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से फ्रंटलाइन स्टाफ की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके विपरीत बड़े निजी बैंक तकनीकी आधारित उत्पादकता और लागत अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित कर संतुलित भर्ती कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। वर्ष 2025 में कुल 125 आधार अंक की कटौती हुई। बैंक अधिकारियों का कहना है कि कम निधि लागत का लाभ धीरे-धीरे व्यवसाय वृद्धि में दिखाई दे रहा है। इस कारण बैंकों की भर्ती रणनीति अब संग्रह की तुलना में व्यवसाय और ऋण विस्तार पर अधिक केंद्रित है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

8
मनोरंजन

गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 08 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

क्रिएटिविटी पर बोलीं टिस्का चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकि पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

शालिनी पांडे ने की राहु-केतु पर बात

अभिनेत्री शालिनी पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म राहु केतु को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वे वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

शालिनी आप राहु और केतू के बीच फंस गई हैं?

मैं फंसी नहीं हूं। मेरा किरदार बहुत अच्छा है।

आपको इस किरदार में किस चीज ने प्रभावित किया?

डायरेक्टर विपुल सर ने जब इसे नैरेट किया तो लगा यह बहुत अलग तरह की कॉमेडी है। यह इंटेलीजेंट कॉमेडी फिल्म है। मुझे लगता है कि मेरे लिए राइटर और डायरेक्टर एक हों तो मैं भी उन पर भरोसा कर सकूं।

शालिनी, हर किरदार इंसान को काफी कुछ सिखाकर जाता है। आपको इस फिल्म ने क्या सिखाया?

यह जो किरदार है, वह बहुत लेयर्ड है। आमतौर पर लड़कियों के किरदार बहुत ब्लैक एंड व्हाइट तरीके से देखते हो। मुझे यह किरदार करते हुए बहुत फ्री फील हुआ। विपुल सर (विपुल विग) को इसके लिए शुक्रिया कि उन्होंने इस रोल को लिखा और मुझे इसे प्ले करके बहुत मजा आया।

फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखती हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?

जब अच्छी चीजें होती हैं तो मैं भरोसा कर लेती हूं। बाकी मैं पढ़ती नहीं हूं। मेरी मम्मी इतनी स्वीट हैं। जब वो मेरे पास आती हैं और कुछ करने को बोलती हैं तो मैं उनकी खुशी के लिए कर लेती हूं।

क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?

सोशल मीडिया और मोबाइल के साथ रिलेशनशिप अलग चीज है। मेरा और स्क्रीन का रिलेशन वहीं तक है, जहां तक मेरा काम है। मैं अपने दर्शकों से रूबरू होती हैं सोशल मीडिया से, लेकिन मैंने अपना दायरा बना रखा है। मेरा रिश्ता सोशल मीडिया से बहुत अच्छा है।

क्या आप पब्लिक का रिएक्शन देखने के लिए छिपकर हॉल में फिल्म देखने गए हो लोगों के बीच जाकर?

हर एक्टर ऐसा करता है। हमने कितने सीन लोगों के बीच जाकर देखे हैं। हर एक्टर उस हाइप के लिए जीता है। मैंने अर्जुन रेड्डी के टाइम यह बहुत किया है। यह बहुत सुंदर फीलिंग है।

आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

यह बहुत इमोशनल इंटेलीजेंस फिल्म है। सब इस फिल्म के साथ कुछ न कुछ रिलेट कर सकते हैं।

जल्द रिलीज होगा कुणाल खेमू स्टारर सिंगल पापा का दूसरा सीजन

कुणाल खेमू की हालिया रिलीज वेब सीरीज सिंगल पापा को दर्शकों और क्रिटिक्स ने जमकर सराहा था। अब जल्द ही इस सीरीज का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

नेटफ्लिक्स ने किया सीजन 2 का एलान

सोमवार को नेटफ्लिक्स ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली सीरीज सिंगल पापा 2 की घोषणा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये यह जानकारी दर्शकों को दी। इसे शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा 'बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है।' हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अब तक इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की।

फैंस ने की यह खास अपील

नेटफ्लिक्स की इस पोस्ट पर सीरीज के कई फैंस ने खास अपील की है। एक यूजर ने कमेंट करके लिखा, 'इस बार दया शेट्टी का रोल ज्यादा रखना..'। वहीं कई फैंस ने इस खबर पर खुशी भी जाहिर की कि इस सीरीज का दूसरा पार्ट आ रहा है। कइयों ने लिखा कि वो सीजन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

नजर आएंगे ये बड़े कलाकार

यह सीरीज इशिता मलहोत्रा और नीरज उधवानी के जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है। इसे शशंक खैतान, हितेश केवल्या और नीरज उधवानी ने ही निर्देशित किया है। सीरीज में कुणाल खेमू, प्राजक्ता कोली, मनोज पहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहेल नय्यर, दयानंद शेट्टी और ईशा तलवार समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

पहले सीजन में क्या थी कहानी

सिंगल पापा की कहानी एक ऐसे तलाकशुदा इंसान गौरव गहलोत की है जिसकी कार में कोई बच्चा छोड़ जाता है। इसके बाद गौरव उस बच्चे को पालना चाहता है मगर परिवार उसके लापरवाह होने की चलते उसके इस फैसले का साथ नहीं देता। आगे जाकर गौरव उस बच्चे को अकेले संभालता है। अब गौरव के जीवन में क्या नए बदलाव होंगे, यह कहानी दर्शकों को इसके दूसरे भाग में देखने को मिलेगी।

कभी खुशी कभी गम 2 के सीक्वल की तैयारी में करण जौहर!

कभी खुशी कभी गम 2 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि करण जौहर इस मूवी से बतौर डायरेक्टर कमबैक करने जा रहे हैं। 25 साल पहले आई इस मूवी का सीक्वल कब बनेगा और कौन होगा, जानिए-

कभी खुशी कभी गम 2 के बारे में जानकारी सामने आई है

साल 2001 में करण जौहर की डायरेक्टेड फिल्म कभी खुशी कभी गम रिलीज हुई थी। इसे यश जौहर ने प्रोड्यूस किया था और 3 घंटे 30 मिनट लंबी इस मूवी को लोगों का भरपूर प्यार भी मिला था। इसके गाने आज भी लोगों के जुबां पर बैठे रहते हैं। अब खबर है कि इस मूवी का पार्ट-2 भी बना रहे हैं। और इसके जरिए ही वह डायरेक्शन में कमबैक कर रहे हैं। चर्चा ये भी है कि प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट भी फाइनलाइज हो गई है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोर्स ने बताया है कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी रोमांटिक फैमिली कॉमेडी से मिली अपार सफलता के बाद करण जौहर अपनी अगली फैमिली-ड्रामा जॉनर मूवी के साथ वापसी करने का प्लान बना रहे हैं। कहा ये भी जा रहा है कि अब तक की उनकी सबसे बजट की फिल्म होगी और नए साल के शुरुआत में स्क्रिप्ट फाइनल करके उन्होंने लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

खबरों के मुताबिक, इस फिल्म को धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग हो रही है। प्री-प्रोडक्शन का काम 2026 के छमाही के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। और शूटिंग साल के अंतर तक शुरू होने की संभावना है। एक सोर्ट ने ये भी बताया है कि ये एक हाई-ऑक्टेन फैमिली ड्रामा मूवी है। जिसमें बहुत रोमांटिक और इमोशनल एंगल भी है।

कभी खुशी कभी गम 2 की कास्ट

फिल्म की कास्ट के बारे में ये बताया गया है कि इसमें दो मेन लीड एक्टर और दो मेन लीड एक्ट्रेस होंगी। कास्टिंग का प्रॉसेस भी जल्द शुरू होगा। यह धर्मा प्रोडक्शंस की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्म होगी। इसका नाम कभी खुशी कभी गम 2 होगा। लेकिन पुष्टि नहीं हुई है। कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार थे। 14 दिसंबर, 2001 में ये रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

क्या 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा? एक्टर्स ने बताई सच्चाई

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

फिलहाल कोई रीमेक नहीं

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान। धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते।

प्रतिभा रांटा के साथ काम करना चाहते हैं सिद्धांत

हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छी भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं।

सिद्धांत आखिरी बार 'धड़क 2' में नजर आए थे

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत को आखिरी बार 'धड़क 2' में देखा गया था। समीक्षकों द्वारा सराही गई ये फिल्म तमिल फिल्म 'परियेरुम पेरुमल' का रीमेक थी। जबकि प्रतिभा रांटा आखिरी बार 'लापता लेडीज' में ही नजर आई थीं। अब वो द रिवोल्यूशनरीज नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी।

प्रतिभा रांटा ने भी दिया रिएक्शन

सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन या इनकी पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने अपने नाम पर फैलाई जा ही गलत खबरों पर जरूर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं सभी मीडिया पेजों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया किसी भी अपुष्ट जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित करने से बचें। आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। मेरे साथ काफी समय से ऐसा हो रहा है, कई ऐसे प्रोजेक्ट्स में जिनसे मैं जुड़ी नहीं हूं, जिससे अक्सर अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। इस मामले में आपकी समझ, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए मैं वास्तव में आभारी रहूंगी।' जाहिर है कि प्रतिभा रांटा ने सिद्धांत की तरह साफ तौर से इस बात से इंकार नहीं किया कि वो रीमेक में नजर नहीं आएंगी। बल्कि उन्होंने आधिकारिक घोषणा होने का इंतजार होने की बात कही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in